सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

महिलाओं को मिलेगा हुनर से रोजगार का मौका, 31 दिवसीय टेलरिंग पेज: 4

ट्रोलिंग को सफलता की कहानी का हिस्सा मानती पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 146 | सोमवार 31 अगस्त 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

'नफरत भरी कार्रवाई', शिक्षकों को सस्पेंड करने पर कर्नाटक सरकार पर भड़के शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी

हुब्बली। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कर्नाटक सरकार पर 'घृणा' के साथ कार्य करने का आरोप लगाया, जब दो सरकारी स्कूल शिक्षकों को आरएसएस के मार्ग मार्च में भाग लेने के लिए निलंबित किया गया और इस कार्रवाई को वापस लेने की मांग की। कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियंक खरगे ने कार्रवाई का समर्थन करते हुए पूछा कि सरकारी शिक्षकों ने 'अन्य पंजीकृत संगठन' के कार्यक्रम में भाग क्यों लिया, जो स्पष्ट रूप से आरएसएस का संदर्भ था। जोशी ने यह पूछते हुए सरकार की प्राथमिकताओं पर भी सवाल उठाया कि क्या सरकार को लापता आइएएस अधिकारी ज्ञानेंद्र कुमार गंगवार को खोजने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जो शिक्षकों को निलंबित करने के बजाय कर्नाटक लोक सेवा आयोग में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं के लिए वांछित हैं।

सेशेल्स की प्रथम महिला मैडम वेरोनिक हर्मिनी ने मिशन शक्तिसैट का किया दौरा, 108 देशों से आई छात्राओं से की मुलाकात

नई दिल्ली एजेंसी: महिला नेतृत्व, वैश्विक कूटनीति और अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण अवसर उस समय देखने को मिला, जब सेशेल्स की प्रथम महिला महामहिम मैडम वेरोनिक हर्मिनी ने शुक्रवार को मिशन शक्तिसैट का दौरा किया। अपने देश में स्नेहपूर्वक सेशेल्स की माँ के रूप में पहचानी जाने वाली मैडम हर्मिनी ने मिशन शक्तिसैट की प्रेरक शक्ति और नेतृत्वकर्ता, जिन्हें प्यार से स्पेस मॉम कहा जाता है, से मुलाकात की। मिशन शक्तिसैट में आयोजित इस विशेष अवसर पर मैडम वेरोनिक हर्मिनी ने दुनिया भर से जुटी युवा बालिका वैज्ञानिकों और प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने महिलाओं और बेटियों को विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में आगे बढ़ाने तथा उन्हें बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करने की आवश्यकता पर जोर

दिया। उनके संबोधन में महिला नेतृत्व और वैश्विक स्तर पर लड़कियों के लिए नए अवसर पैदा करने की प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से दिखाई दी।इस मुलाकात को दो मातृशक्तियों के मिलन के रूप में देखा गया। क ओर सेशेल्स की प्रथम महिला, जिन्हें उनके देश में स्नेह और सम्मान के साथ सेशेल्स की माँ कहा जाता है, और दूसरी ओर मिशन शक्तिसैट की प्रेरक शक्ति स्पेस मॉम। दोनों की मौजूदगी ने यह संदेश दिया कि बेटियों के सपनों की कोई सीमा नहीं होती। वे चाहें तो विज्ञान, तकनीक, अंतरिक्ष अनुसंधान और नेतृत्व के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां हासिल कर सकती हैं और चांद तक पहुंचने का सपना भी साकार कर सकती हैं।आयोजकों के अनुसार, मिशन शक्तिसैट दुनिया के सबसे बड़े ऑल-गर्ल्स चंद्र मिशनों में से एक है, जिसमें 108 देशों की बालिका वैज्ञानिकों को एक साझा मंच पर लाने का प्रयास किया जा रहा है। मिशन का उद्देश्य अगली पीढ़ी की महिलाओं को अंतरिक्ष विज्ञान एवं अन्वेषण के अग्रिम मोर्चे से जोड़ना और उन्हें वैज्ञानिक सोच, तकनीकी कौशल तथा नेतृत्व क्षमता विकसित करने के अवसर उपलब्ध कराना है।

इस पूरे अभियान को महिला नेतृत्व और अंतरराष्ट्रीय सहयोग.....

जिसका दायरा राष्ट्रीय स्तर से बढ़ाकर वैश्विक स्तर तक किया गया है। मैडम वेरोनिक हर्मिनी की यात्रा ने इस पूरे अभियान को महिला नेतृत्व और अंतरराष्ट्रीय सहयोग का एक मजबूत संदेश दिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य था

इस कार्यक्रम में सेविंग्स के फाउंडर मदन भारद्वाज भी मौजूद थे, जिनकी तरफ से सभी देशों से आईं युवा बालिकाओं के लिए मुफ्त कैंसर स्क्रीनिंग वैन भी लगवाई गई थी।मैडम हर्मिनी की मिशन शक्तिसैट में उपस्थिति को इस वैश्विक पहल के लिए महत्वपूर्ण समर्थन के रूप में देखा जा रहा है। उनकी यात्रा ने मिशन के वैश्विक संरक्षकों, समर्थकों और गणमान्य व्यक्तियों के समूह में एक नई प्रभावशाली आवाज जोड़ी है। यह संदेश भी सामने आया कि अंतरिक्ष विज्ञान केवल तकनीक और प्रयोगशालाओं तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि इसके पीछे उन महिलाओं और नेतृत्वकताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है, जो युवा पीढ़ी को अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करती हैं। मिशन शक्तिसैट का उद्देश्य केवल एक अंतरिक्ष मिशन को आगे बढ़ाना नहीं, बल्कि दुनिया के अलग-अलग देशों की बेटियों को एक साझा वैज्ञानिक और मानवीय उद्देश्य से जोड़ना है।इसके माध्यम से लड़कियों को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी की व्यावहारिक शिक्षा, मार्गदर्शन और भविष्य के अवसरों से परिचित कराने का प्रयास किया जा रहा है। मिशन शक्तिसैट डॉ. केसन के नेतृत्व में संचालित एक वैश्विक पहल है। इसका मुख्य उद्देश्य दुनिया भर की लड़कियों और महिलाओं को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी की शिक्षा, मार्गदर्शन और अवसर उपलब्ध कराकर सशक्त बनाना है। आयोजकों के अनुसार, इस पहल में 108 से अधिक देशों की भागीदारी शामिल है। मिशन का लक्ष्य युवा बेटियों को विज्ञान एवं अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना और उन्हें वैश्विक मंच प्रदान करना है।मिशन शक्तिसैट को स्पेस किड्ज इंडिया से भी जोड़ा गया है। यह संगठन युवाओं को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी से जोड़ने के अवसर तैयार करने पर केंद्रित है।

रिजिजू ने दिए संसद का विशेष सत्र बुलाने के संकेत, परिसीमन बिल पर टिकीं निगाहें; विपक्ष में हलचल

नई दिल्ली। संसद के फिर से बुलाए जाने की संभावनाओं पर संकेत देकर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष की बेचैनी बढ़ा दी है। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं से महिला आरक्षण कानून को जल्द लागू करने का वादा किया है, सरकार इसी दिशा में काम कर रही है। इंडिया टुडे के अनुसार, रिजिजू ने बताया है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को प्रधानमंत्री को एक पत्र लिखा। इसमें उन्होंने मांग की कि केंद्रीय मंत्री द्वारा दिए गए संसद का विशेष सत्र बुलाने के संकेत से पहले, परिसीमन के लिए सरकार के प्रस्ताव पर चर्चा करने हेतु एक सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए। हालांकि रिजिजू ने 2029 से महिला आरक्षण कानून

लागू करने और लोकसभा सीटों में 50 प्रतिशत की वृद्धि के लिए संविधान संशोधन विधेयक लाने हेतु तत्काल सत्र बुलाने पर कोई स्पष्ट टिप्पणी नहीं की, लेकिन उन्होंने कहा कि अतीत में भी बिना सत्रावसान के संसद को फिर से बुलाया गया है। मानसून सत्र को नहीं किया गया है स्थगित 13 अगस्त को समाप्त हुए मानसून सत्र का अभी तक सत्रावसान नहीं किया गया है। रिजिजू ने कहा, "प्रधानमंत्री पहले ही देश की महिलाओं से स्पष्ट प्रतिबद्धता जता चुके हैं कि महिला आरक्षण और संसद द्वारा महिलाओं को दिया गया वचन लागू किया जाएगा। हम उसी आधार पर काम कर रहे हैं"। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि रिजिजू की टिप्पणी संसद के मानसून सत्र के सत्रावसान में हो रही देरी से जुड़ती है। खरगे ने पीएम मोदी को लिखे पत्र में कहा कि यह देश के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है। कृपया 16-17 अप्रैल 2026 की तरह चीजों को फिर से जबरन थोपने की कोशिश न करें। 16-17 अप्रैल का संदर्भ लोकसभा में विधेयक पर हुई चर्चा और मतदान से है, जिसमें विपक्ष ने सरकार के प्रस्तावित कानून को गिरा दिया था। लोकसभा की मौजूदा सीटें 25 साल तक स्थिर रखने की मांग खरगे ने प्रधानमंत्री से कहा कि उनकी पार्टी का रुख स्पष्ट है कि लोकसभा की मौजूदा संख्या 543 सांसद और उसमें राज्यों की हिस्सेदारी को 25 साल तक फ्रीज कर दिया जाना चाहिए। कांग्रेस यह भी चाहती है कि संसद की मौजूदा क्षमता के अनुसार ही 2029 के लोकसभा चुनावों से महिला आरक्षण लागू किया जाए।

पीएम की अपील के बाद सोशल मीडिया पर एक्टिव हुए मोदी कैबिनेट के मंत्री, शाह सबसे आगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 जुलाई 2026 को कैबिनेट बैठक में मंत्रियों से इंस्टाग्राम पर ज्यादा एक्टिव होने, रील बनाने और युवाओं से सीधा संवाद करने की बात कही थी। महज एक महीने के अंदर इस अपील का असर दिखने लगा है। 24 अगस्त तक 29 में से 28 यानी 97 प्रतिशत कैबिनेट मंत्रियों की इंस्टाग्राम एक्टिविटी में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। जदयू के राजीव रंजन सिंह को छोड़कर बाकी सभी मंत्री सोशल मीडिया पर पहले से कहीं ज्यादा एक्टिव हो गए हैं। सोशल मीडिया मोदी कैबिनेट की डिजिटल स्ट्राइक इस समय में मंत्रियों ने कुल 1179 पोस्ट किए। मंत्रियों के पोस्ट में औसतन 48 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। युवा वर्ग, खासकर

जेन-जी तक पहुंच बनाने के लिए रील्स पर खास जोर दिया जा रहा है। शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने नीतियों और अहम मुद्दों को रील्स के जरिए आसान भाषा में समझाने पर फोकस किया है। अमित शाह फॉलोअर्स में सबसे आगे इंस्टाग्राम फॉलोअर्स के मामले में गृह मंत्री अमित शाह सबसे आगे हैं। उनके फॉलोअर्स में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। अन्य मंत्रियों के आंकड़े इस प्रकार हैं। धर्मेंद्र प्रधान के फॉलोअर्स 2.43 लाख, प्रह्लाद जोशी के 1.26 लाख, सीआर पाटिल के 2.57 लाख और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के फॉलोअर्स में भी अच्छी खासी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। कुछ मंत्रियों के फॉलोअर्स 8.53 लाख और 2.95 लाख के आसपास पहुंच गए हैं। रील्स पर जोर, युवाओं से सीधा संवाद पीएम मोदी की सलाह के बाद मंत्रियों ने रील्स को अपनी संचार रणनीति का अहम हिस्सा बना लिया है। जटिल नीतियों को रोचक और संक्षिप्त रील्स के जरिए समझाने की कोशिशें तेज हुई हैं। यह कदम सरकार को युवा मतदाताओं से जोड़ने और सोशल मीडिया पर अपनी उपस्थिति मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। एक महीने के आंकड़े बताते हैं कि कैबिनेट स्तर पर डिजिटल एक्टिविटी अब नई ऊंचाई पर पहुंच चुकी है।

रक्षाबंधन पर पीएम मोदी ने देशवासियों को दी शुभकामनाएं, स्कूली छात्राओं ने बांधी राखी

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को लोगों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं और कामना की कि यह त्योहार सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और सफलता लेकर आए। वार्षिक परंपरा को जारी रखते हुए, स्कूली छात्राओं ने 7 लोक कल्याण मार्ग पर स्थित प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास जाकर उनकी कलाई पर 'राखी' बांधी। प्रधानमंत्री ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें और एक वीडियो साझा किया, जिसमें बच्चों को राखी बांधते हुए देखा जा सकता है। वीडियो में वह युवा आगंतुकों के साथ गर्मजोशी से बातचीत करते और उनसे हाथ मिलाते नजर आए। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "रक्षाबंधन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। यह पावन पर्व आप सभी के जीवन में खुशहाली, समृद्धि और सफलता लेकर आए। मोदी ने कहा, "स्नेह, अपनत्व और आपसी विश्वास की डोर सदैव अटूट बनी रहे, यही

कामना है। उन्होंने कहा, "7, लोक कल्याण मार्ग पर रक्षा बंधन समारोह के कुछ यादगार पल। यह त्योहार स्नेह और सौहार्द के बंधन को और मजबूत करे। यह सभी के जीवन में खुशियां और समृद्धि लेकर आए। एक बच्चे ने प्रधानमंत्री से पूछा कि बचपन में उनका सपना क्या था, मोदी ने जवाब दिया, "आप लोगों से मिलना"। रक्षाबंधन हिंदुओं का प्रमुख त्योहार है, जो भाई-बहन के प्रेम और आपसी स्नेह के रिश्ते को समर्पित है। इस अवसर पर बहनें अपने भाइयों की कलाई पर रंग-बिरंगी राखी बांधती हैं, जो भाई की सुख-समृद्धि और कुशलता की कामना का प्रतीक होती है। इसके बदले भाई बहनों को उपहार देते हैं और हर परिस्थिति में उनकी रक्षा करने का संकल्प लेते हैं।

खौफ पर आस्था की जीत: जब मौत बनकर मंडरा रही थी बाढ़, तब योग से खुद को शांत रख रहे थे तीर्थयात्री

मुंबई। कैलास मानसरोवर यात्रा पर गया पनवेल का एक परिवार नेपाल में अचानक आई विनाशकारी बाढ़ से बाल-बाल बचा। यह परिवार आपदा आने से ठीक आठ-नौ घंटे पहले ही प्रभावित इलाके से निकला था। इनके शुक्रवार शाम तक कैलास मानसरोवर पहुंचने की उम्मीद है। वैसे बाढ़ के डर ने इस टूर में शामिल तीर्थयात्रियों को हिलाकर रख दिया है। इन तीर्थयात्रियों ने खुद को शांत करने के लिए योग का सहारा लिया। पनवेल के रहने वाले अश्विन शाह ने बताया कि उन्होंने 2005 में कैलास मानसरोवर यात्रा की थी। अबकी बार पत्नी अंजना अश्विन शाह, बेटे धीरेन अश्विन शाह, बहू युक्ति धीरेन शाह, छोटे भाई जयंत शाह और भाभी हंसा शाह के साथ तीर्थयात्रा ग्रुप का हिस्सा हैं। शाह ने कहा-"वह अचानक बाढ़ के आने से करीब आठ-नौ घंटे पहले ही उस जगह से निकल गए थे। वे सभी सुरक्षित हैं और अब तिब्बत में हैं।" टूर लीडर शैलेश माहेश्वरी ने भी पुष्टि की कि पनवेल से आए शाह परिवार के सभी सदस्य सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा- "शुक्रवार सुबह हम तिब्बत से कैलास मानसरोवर की ओर बढ़ेंगे और शाम तक वहां पहुंच जाएंगे।" शाह ने कहा- "मैंने गुरुवार शाम को अपने घर पर परिवार के सभी सदस्यों से बात की।

अब मैं भगवान से प्रार्थना कर रहा हूं कि वह अपनी तीर्थयात्रा सुरक्षित पूरी करें और सुरक्षित घर लौटें।" वैसे बाढ़ के डर ने दूसरे तीर्थयात्री भी सहमे हुए हैं। इसी ग्रुप में शामिल रूपाली छेड़ा ने बताया कि घटना के बाद खुद को शांत करने के लिए हम सभी ने योग का सहारा लिया। इस बीच महाराष्ट्र सरकार ने नेपाल में फंसे अपने नागरिकों के लिए 24/7 हेल्पलाइन शुरू की है।

सरकारी शिक्षकों को RSS के पथ संचलन में शामिल होना पड़ा भारी, कर्नाटक सरकार ने 2 को किया सस्पेंड

बेंगलुरु। कर्नाटक के यादगीर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पथ संचलन (रैली) में भाग लेने के आरोप में शिक्षा विभाग ने दो सरकारी स्कूल के शिक्षकों को सस्पेंड कर दिया गया है। शिक्षा विभाग के अनुसार, दोनों शिक्षकों पर कर्नाटक सिविल सर्विस नियमों का उल्लंघन करने का आरोप है। सस्पेंड किए गए शिक्षकों में यादगीर जिले के हुनसगी स्थित सरकारी बालिका उच्च विद्यालय में सहायक शिक्षक गुरुराज जोशी और सुरपुर तालुका के कुप्पी स्थित सरकारी निम्न प्राथमिक विद्यालय में हेडमास्टर अन्ना साहेब देशमुख शामिल हैं। दोनों शिक्षकों पर अलग-अलग जगह हुए फ्लैग मार्च में शामिल होने का आरोप है। विभाग ने उनके इस कदम को कर्नाटक सिविल सेवा (आचरण) नियम, 2021 का उल्लंघन और कर्तव्य की अवहेलना मानते हुए विभागीय जांच लंबित रहने तक निलंबन की कार्रवाई की है। शिक्षक गुरुराज जोशी पर क्या है आरोप? मामले की कार्यवाही के मुताबिक, सहायक

शिक्षक गुरुराज जोशी ने 12 अक्टूबर 2025 को विजयपुरा जिले के तालिकोटी में आयोजित आरएसएस के पथ संचलन में भाग लिया था। इस कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति की एक तस्वीर कन्नड़ समाचार पत्र 'विजया कर्नाटक' में प्रकाशित हुई थी। इसके बाद, अंबेडकर स्वाभिमानी सेना की जिलाध्यक्ष जुमाना गुडीमणि ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की और शिकायत दर्ज कराई। शिक्षा विभाग के अनुसार, जोशी को 13 मार्च 2026 को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। अपने लिखित जवाब में जोशी ने तर्क दिया कि यह कार्यक्रम रविवार को स्कूल समय के बाद आयोजित हुआ था और यह कोई राजनीतिक आयोजन न होकर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम था। हालांकि, विभाग ने उनके इस तर्क को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि नियमों के तहत इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। फिलहाल, विभागीय जांच पूरी होने तक जोशी को 'कर्नाटक सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1957' के नियम 10(1) के तहत तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है।

कांग्रेस आक्रामक, मगर सपा-आरजेडी ने साधी चुप्पी... जाति जनगणना पर क्यों बंटा विपक्ष?

नई दिल्ली। आजादी के बाद पहली बार हो रही जाति जनगणना पर कांग्रेस को सहयोगी दलों का साथ नहीं मिल रहा है। जाति जनगणना कराने के तरीके पर कांग्रेस आक्रमक है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर जनगणना में ओबीसी जातियों को गिनने के तरीके पर आपत्ति जताई है, लेकिन कांग्रेस के सहयोगी दलों की ओर से इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। हैरानी की बात यह ओबीसी की राजनीति करने वाली पार्टियों ने इस मुद्दे पर चुप्पी साध रखी है। दरअसल जातियों की गणना के लिए जनगणना के फार्म में खुद अपनी जाति बताने को कहा गया है। कांग्रेस का कहना है कि इससे 2012 की सामाजिक आर्थिक जाति जनगणना (एसईसीसी) की तरह लाखों जातियां सामने आ जाएगी, जिससे जाति गणना का पूरा उद्देश्य ही विफल हो जाएगा। जाति जनगणना पर कांग्रेस का हल्ला बोल 2012 के एसईसीसी में जातियों की संख्या 46 लाख 70 हजार से अधिक दर्ज की गई थी। कांग्रेस जनगणना में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की तरह

ओबीसी का अलग से कालम बनाने और उनमें ओबीसी जातियों को सूची लगाकर ड्राप डाउन से जाति चुनने का विकल्प देने की बात कर रही है। कांग्रेस का कहना है कि बिहार और तेलंगाना में इसी तरीके से ओबीसी जातियों की गिनती की गई थी। कांग्रेस की मांग को सरकार कई तवज्जो नहीं दे रही है। 17 अगस्त

आजादी के बाद पहली बार हो रही जाति जनगणना पर कांग्रेस आक्रामक है, लेकिन उसके सहयोगी दल इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए हैं।

से हिमाचल, लद्दाख, जम्मू-कश्मीर के पहाड़ी इलाकों में स्वयं गणना का काम शुरू हो चुका है, जिसमें लोगों को खुद अपनी जानकारी आनलाइन देने का विकल्प है। एक सितंबर से इन इलाकों में घर-घर जाकर जनगणना कर्मी लोगों की जानकारी जुटाएंगे। जाहिर है इसमें खुद अपनी जाति बतानी होगी और ड्राप डाउन से जाति चुनने का विकल्प नहीं है। सपा-आरजेडी क्यों है मौन? आशंका थी कि ओबीसी की राजनीति से सत्ता के शिखर तक पहुंचने वाली समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल जैसी पार्टियां इसका जमकर विरोध करेगी और कांग्रेस की तरह से ड्राप डाउन से जाति चुनने का विकल्प देने की मांग करेगी। जदयू के साथ सरकार में उप मुख्यमंत्री रहते हुए तेजस्वी यादव ने जाति गणना का पूरजोर समर्थन किया था। 215 जातियों के विकल्प में से किसी एक जाति को चुनने का विकल्प देते हुए जाति गणना भी करवाई थी। उसी जाति गणना के आधार पर बिहार सरकार ने ओबीसी के लिए 65 फीसद आरक्षण का आदेश भी जारी कर दिया था, जिसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। जाति जनगणना पर बिखरा विपक्ष ओबीसी की राजनीति करने वाली करने वाली पार्टियों की चुप्पी को ओबीसी जातियों के टकराव और ओबीसी वोटबैंक के बिखराव से जोड़कर देखा जा रहा है।

संपादकीय

पर्यटन की अधूरी तलाश

पर्यटकों की आमद का एक नक्शा विधानसभा सत्र में उभरा है। पिछले तीन साल में हिमाचल में 7.59 पर्यटक आए जबकि इस दौरान 262824 विदेशी सैलानी भी यहां आए। आंकड़ों की दृष्टि से आबादी से दोगुना पर्यटक आकर्षित करके हिमाचल अपनी संभावनाओं और क्षमता का बेहतरीन प्रदर्शन कर रहा है, लेकिन ह्यक्वालिटी टूरिज्मह्व के नजरिये से अभी व्याख्या होनी बाकी है। हिमाचल की खूबी यह है कि यहां पर्यटन आगमन के कई कारण हैं, फिर भी हम मार्केटिंग में पीछे हैं। कुछ ऐसे सर्किट हैं जिन्हें हिमाचल ने अहमियत ही नहीं दी। सभी मौसम और सभी कारणों के पर्यटन का संतुलन बहुत जरूरी है ताकि हम हाई एंड टूरिज्म को आमंत्रित कर सकें। बेशक पिछले तीन सालों में दो लाख 65 हजार के करीब विदेशी पर्यटक हिमाचल आए, लेकिन इनके द्वारा खर्च की गई राशि अति उत्तम नहीं। प्रायः बजट टूरिस्ट ही हिमाचल आ रहे हैं। कसोल और धर्मकोट में आ रहे विदेशी पर्यटक कई बार भारतीय सैलानियों से भी कम खचीर्ले होते हैं। दूसरी ओर पर्यटकों की बढ़ती तादाद में मंदिरों के दर्शन की रूटीन ही नजर आती है। तीसरे सप्ताहांत पर्यटन की मंजिलें केवल कुछ स्थलों पर ही रहती हैं। चौथे युवा पर्यटकों का आगमन सीमित गतिविधियों के परिप्रेक्ष्य में पूरे हिमाचल का प्रतिनिधत्व नहीं करता है। ऐसे में हिमाचल में पर्यटन की तलाश अधूरी है। यह आंकड़ों की जुबान से भले ही अच्छी लगे, लेकिन गुणवत्ता के आधार पर हिमाचल के संदर्भ अभी खाली हैं। हिमाचल की खोज जिस दिन हाई एंड टूरिस्ट करेगा, उस दिन पर्यटन की आर्थिक भागीदारी बढ़ जाएगी। दूसरी ओर सप्ताहांत पर्यटन के साथ-साथ पूरे हफ्ते या इससे ज्यादा विश्राम का पर्यटन फैले, तो रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। हिमाचल में हाई एंड पर्यटन की जरूरतें अभी समझी ही नहीं गईं। ट्राइबल, सांस्कृतिक एवं धरोहर पर्यटन को महत्त्व मिले, तो विविध आकर्षणों की तरफ विदेशी दौड़े आएंगे। शिमला के ऐतिहासिक व सांस्कृतिक महत्त्व को देखते हुए सबसे अधिक विदेशी पर्यटक आते हैं, जबकि धर्मशाला, डलहौजी, मकलोडगंज, मनाली व कसौली में विदेशी बजट टूरिस्ट ही आ रहे हैं। हिमाचल में अधिक स्टे के लिहाज से युवा पर्यटक या यूं कहें कि कारपोरेट जगत से जुड़े युवा आ रहे हैं। इनकी जरूरतें हालांकि सीमित हैं, फिर भी इस श्रेणी के पर्यटक ज्यादा दिनों के लिए बार-बार हिमाचल आ रहे हैं। हिमाचल में देशी-विदेशी पर्यटकों के लिए साहसिक व खेल पर्यटन भी सौगात बन रहा है। अकेले धर्मशाला में ही आईपीएल तथा अन्य क्रिकेट मैचों के जरिए हर साल दो लाख के करीब देशी-विदेशी पर्यटक पहुंच रहे हैं। हाई एंड पर्यटक की तलाश में हिमाचली अधोसंरचना में तेजी से बदलाव आ रहा है, लेकिन महापर्यटन की दृष्टि से कई प्रयास करने होंगे। महामहिम दलाई लामा की उपस्थिति से लाभ उठाते अगर काल चक्र आयोजन के लिए स्थायी सुविधाएं कहीं धर्मशाला-मनाली के बीच विकसित की जाएं, तो यह राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पर्यटन की नई मंजिल हो सकता है। पौंग तथा अन्य कृत्रिम झीलों में साहसिक खेलों तथा अन्य सुविधाओं का विस्तार हो, तो यह पर्यटन के वार्षिक मेलों का प्रसार करेगा।

चिंतन-मनन

दूर करें अध्यात्म विद्या का अभाव

अध्यात्म विद्या के विषय में अधिकांश भौतिक विद्वान शिक्षा को ही विद्या मान बैठते हैं। वे विद्या और शिक्षा के अंतर को भी समझने में असमर्थ हैं जबकि विद्या और शिक्षा में धरती और आसमान का अंतर है। इस विषय को स्पष्ट करते हुए महात्मा परमचेतनानंद ने अपने प्रवचन में कहा कि शिक्षा शब्द शिक्ष धातु से बना है जिसका अर्थ है सीखना। भौतिक शिक्षा अनुकरण के द्वारा सीखी जाती है जिसका संबंध ज्ञानेन्द्रियों, कर्मेंद्रियों व मन बुद्धि तक सीमित है। इसके अतिरिक्त विद्या शब्द विद् धातु से बना है जिसका अर्थ है जानना अर्थात वास्तविक ज्ञान।

यह ज्ञान स्वयं अंदर से प्रकट होता है, इसे ही अध्यात्म ज्ञान कहा जाता है। इसे आत्मा की गहराई में पहुंचने पर ही जाना जाता है। शिक्षा के विद्वान अहंकार से ग्रसित होते हैं, उनमें विनम्रता का अभाव होता है जबकि विद्या का प्रथम गुण विनम्रता है। विद्या वास्तव में मानव की मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है।

इस अध्यात्म विद्या से मानव निष्काम कर्म योगी बनता है जो सभी को समान भाव से देखता है। पहले निष्काम कर्म योगी को ही प्रजा अपना राजा चुनती थी। वे अपने पुत्र तथा अन्य प्रजा के साथ समान रूप से न्याय करते थे। आज के असमय में अध्यात्म विद्या का अभाव होने के कारण राजा और प्रजा दोनों ही अशांत हैं फिर भी इसे ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है जबकि अध्यात्म विद्या के वेत्ता तत्वदर्शी संत आज भी मौजूद हैं।

नदलेस के कार्यक्रम में आर एस आघात के प्रथम लघुकथा संग्रह बारिश की बूँदें तथा नदलेस के वार्षिक अंक सोच-4 का विमोचन

नदलेस द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता निभाने का अवसर प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का आयोजन संत कबीर आश्रम पालम,दिल्ली में किया गया । कार्यक्रम बहुत सुंदर रहा तथा कार्यक्रम में सभी सम्मानित कवि एवं लेखकों से प्यार मिला । कार्यक्रम का आयोजन दो सत्रों में किया गया जिसके प्रथम सत्र में नदलेस (संस्था) द्वारा प्रकाशित वार्षिक पुस्तक- सोच के चतुर्थ अंक का विमोचन तथा आर एस आघात के प्रथम लघुकथा संग्रह- बारिश की बूँदें का विमोचन रहा,एवं द्वितीय सत्र में काव्यपाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता- नदलेस के अध्यक्ष डॉ. अमित धर्म सिंह तथा संचालन- लोकेश कुमार ने किया। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में सभी उपस्थित कवियों ने अपनी रचनाओं का काव्य पाठ प्रस्तुत किया।कार्यक्रम में उपस्थित कवियों ने एक से बढ़कर एक अपनी रचनाओं का कवितापाठ करके उपस्थित लोगों का दिल जीता । कार्यक्रम में शामिल कवियों में डॉ अमित धर्मसिंह, बंशीधर नाहरवाल, मदन लाल राज, डॉ पूरन सिंह, राधेश्याम कांसोटिया, लोकेश कुमार लकी, जोगेंद्र सिंह, सलीमा , आर एस आघात, विक्की रंगा, सीमा रंगा "इंद्रा " आदि उपस्थित रहे । कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन बंशीधर नाहरवाल ने व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में आदरणीय बंशीधर नाहरवाल द्वारा लजीज व्यंजनों की व्यवस्था की गई जिसकी सभी ने प्रशंसा की , तथा सभी ने आभार व्यक्त किया

रिपोर्ट- आर एस आघात

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

ईरान बनाम अफगानिस्तानः शरिया में महिलाओं की तुलनात्मक स्थिति

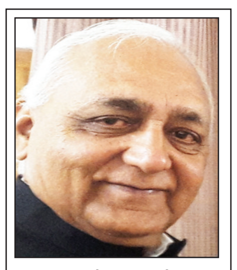

तनवीर जाफ़री

इस्लामी जीवन पद्धति और कानूनी व्यवस्था को शरिया कहते हैं। शरिया में इबादत,खान-पान,पहनावा, व्यापार, विवाह, तलाक,विरासत, अपराध और सजा जैसे जीवन के तमाम पहलू शामिल हैं। इसके द्वारा कुरान ,सुन्नत,हदीस ,इज्मा व कयास जैसे पुराने स्थापित नियमों के आधार पर नए जमाने की समस्याओं का हल निकालने का दावा किया जाता है। परन्तु आज के आधुनिक दौर में सऊदी अरब,अफगानिस्तान व ईरान जैसे देशों में जहां शरिया को देश के मुख्य संविधान और आपराधिक कानून के रूप में लागू किया गया है वहीं भारत, पाकिस्तान,मिस्त्र और इंडोनेशिया जैसे देशों में शरिया केवल पर्सनल लॉ विवाह, तलाक , संपत्ति तक ही सीमित है,जबकि इन्हीं देशों में अपराधिक मामलों के लिए देश का धर्मनिरपेक्ष कानून लागू होता है। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार व संगठन शरिया के नाम पर अत्यंत रूढ़िवादी और कबीलाई व्याख्या लागू करती है। जबकि पाकिस्तान में भी शरिया कानून पूरी तरह लागू नहीं है, बल्कि वहाँ एक हाइब्रिड या मिश्रित कानूनी प्रणाली काम करती है। जिसमें ब्रिटिश काल के धर्मनिरपेक्ष सामान्य कानून और इस्लामी शरिया कानून दोनों का मिश्रण है। सवाल यह है कि जब इस्लाम धर्म का कलमा एक, कुरआन एक, रसूल एक नमाज,रोजा हज,जकात सब एक तो इस्लामी देशों में ही शरिया कानून की व्याख्या अलग अलग क्यों? और यदि अलग है तो इसमें सही कौन और गलत कौन? और दुनिया किस शरिया व्यवस्था को सही व इस्लामी शरिया के रूप में देखे? इसी सन्दर्भ में केवल ईरान व अफगानिस्तान में लागू शरिया कानून व इसके अंतर्गत दोनों देशों में महिलाओं की स्थिति व उनपर पड़ने वाले प्रभाव का जायजा लेने की कोशिश करते हैं।

अफगानिस्तान में तालिबान शासन के दौरान गत पांच वर्षों में वहां की महिलाओं की स्थिति को लेकर जो रिपोट्र्स संयुक्त राष्ट्र सहित विभिन्न वैश्विक मानवाधिकार संगठनों द्वारा तैयार की गयी है उसके मुताबिक वहाँ महिलाओं की स्थिति अत्यंत दयनीय हो चुकी है। रिपोट्र्स के अनुसार अफगानिस्तान में महिलाओं को सार्वजनिक जीवन से पूरी तरह मिटाने का प्रयास किया जा रहा है। अफगानिस्तान दुनिया का एकमात्र देश है जहां लड़कियों की माध्यमिक और उच्च शिक्षा आधिकारिक रूप से प्रतिबंधित है। यहाँ कक्षा 6 से आगे लड़कियों के स्कूल जाने और महिलाओं के विश्वविद्यालय जाने पर पूरी तरह रोक है। तालिबान ने विश्वविद्यालयों से महिलाओं से जुड़े 18 कोर्स हटा दिए हैं और महिलाओं द्वारा लिखी गई लगभग 140 किताबों को भी प्रतिबंधित कर दिया है। ऐसी ही सख्त पाबंदियों के चलते अब अफगानिस्तान में केवल 7% महिलाएँ ही रोजगार में बची हैं। यहां महिलाओं को गैर-सरकारी संगठनों, सरकारी मंत्रालयों और सार्वजनिक क्षेत्रों में काम करने से रोक दिया गया है। ब्यूटी पार्लर्स को भी पूरी तरह बंद कर दिया गया है, जिससे लाखों महिलाओं की कमाई का जरीया छिन गया। नए तालिबानी कानून और क्रिमिनल कोड वर्ष 2026 में तालिबान के सुप्रीम लीडर हिबतुल्लाह अखुनजादा द्वारा हस्ताक्षरित 90 पन्नों की नई दंड संहिता ने महिलाओं की स्थिति को दासों जैसा बना दिया है। इस नए कानून के तहत पति को अपनी पत्नी या बेटी को शारीरिक सजा देने यानी उसे पीटने की अनुमति है, बशर्ते कि महिला की कोई हड्डी न टूटे या शरीर पर गहरा खुला घाव न दिखाई दे ।

मोबाइल की गिरफ्त में बचपन, सरकार कब बनाएगी डिजिटल नीति?

कांतिलाल मांडोत

स्कुलो के दरवाजे पर मीडिया का पहरा, लेकिन बच्चों के हाथों में सोशल मीडिया की खुली दुनिया...

बचपन कभी किताबों, खेल के मैदान, परिवार की बातचीत और दोस्तों की संगत में गुजरता था। आज वही बचपन मोबाइल की चमकती स्क्रीन में सिमटता जा रहा है। बच्चे घर में मौजूद हैं, लेकिन उनका ध्यान कहीं और है। परिवार सामने बैठा है, मगर संवाद कम होता जा रहा है। किताबें अलमारी में बंद हैं और मोबाइल की स्क्रीन दिन-रात खुली है। यह बदलाव केवल जीवनशैली का परिवर्तन नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ी के मानसिक, सामाजिक और बौद्धिक विकास से जुड़ा गंभीर सवाल बन चुका है। राजस्थान में विधानसभा में शिक्षा विभाग की ओर से दिए गए जवाब ने इस चिंता को और गहरा कर दिया है। सरकार से पूछा गया था कि जनवरी 2023 से दिसंबर 2025 के बीच विद्यार्थियों को सोशल मीडिया से दूर रखने और पुस्तकों, अखबारों तथा पत्रिकाओं के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए कौन-कौन सी योजनाएं चलाई गईं और उन पर कितना बजट खर्च हुआ। जवाब में बताया गया कि इस संबंध में फिलहाल कोई प्रस्ताव प्रक्रियाधीन या विचाराधीन नहीं है।

यह स्थिति इसलिए चिंताजनक है क्योंकि स्कूलों में मीडिया के प्रवेश को लेकर सख्ती दिखाई जा रही है, लेकिन बच्चों के हाथों में मौजूद उस डिजिटल दुनिया को लेकर ठोस नीति नजर नहीं आती, जहां वे प्रतिदिन घंटों अपना समय बिता रहे हैं। स्कूल के बाहर मोबाइल पर क्या देखा जा रहा है, किससे बातचीत हो रही है, किस तरह की सामग्री बच्चों तक पहुंच रही है और उसका उनके व्यवहार पर क्या असर पड़ रहा है, इन सवालों का जवाब केवल परिवारों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता।

मोबाइल और सोशल मीडिया अपने आप में दुश्मन नहीं हैं। तकनीक शिक्षा, जानकारी और संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुकी है। समस्या तब पैदा होती है जब तकनीक साधन से बढ़कर आदत और फिर निर्भरता बन जाती है। लगातार छोटे-छोटे वीडियो देखने, बार-बार सूचनाएं जांचने और सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया पाने की आदत बच्चे के ध्यान को लगातार भटका सकती है।

बच्चे पढ़ने बैठते हैं तो कुछ ही देर में मोबाइल देखने की इच्छा होती है। किताब का एक पन्ना लंबा लगता है, लेकिन वीडियो की लगातार बदलती तस्वीरें आकर्षित करती रहती हैं। इसका असर धीरे-धीरे पढ़ाई की आदत पर पड़ सकता है। धैर्य से किसी विषय को समझने की क्षमता कमजोर पड़ सकती है और तत्काल मनोरंजन की आदत गहरी हो सकती है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि यह परिवर्तन अक्सर परिवार को तब दिखाई देता है जब बच्चे के व्यवहार में स्पष्ट बदलाव आने लगता है। वह छोटी-छोटी बातों पर चिड़चिड़ा होने लगता है, बातचीत से बचता है, परिवार के साथ बैठने में रुचि नहीं दिखाता और मोबाइल हटाने पर असहज या नाराज हो सकता है। हर बच्चे में इसका असर एक जैसा नहीं होता, लेकिन अत्यधिक और अनियंत्रित स्क्रीन इस्तेमाल को सामान्य मान लेना भी उचित नहीं है।

चिड़चिड़ापन केवल व्यवहार नहीं, संकेत भी है।

बच्चे का चिड़चिड़ापन कई कारणों से हो सकता है। पढ़ाई का दबाव, पारिवारिक वातावरण, नींद की कमी, सामाजिक परिस्थितियां और अन्य कारण भी इसमें भूमिका निभा सकते हैं। लेकिन जब मोबाइल और सोशल मीडिया बच्चे की दिनचर्या का केंद्रीय हिस्सा बन जाएं, तब उसके व्यवहार में आए बदलाव पर परिवार और विद्यालय दोनों को ध्यान देना चाहिए। रात देर तक स्क्रीन देखने से नींद की दिनचर्या प्रभावित हो सकती है। नींद पूरी न होने पर अगले दिन थकान, ध्यान की कमी और चिड़चिड़ापन बढ़ सकता है। लगातार आभासी दुनिया में रहने से वास्तविक जीवन की बातचीत और गतिविधियों में रुचि कम हो सकती है। बच्चा दोस्तों और परिवार के बीच होते हुए भी मानसिक रूप से स्क्रीन की दुनिया में मौजूद रह सकता है।

यही वह स्थिति है जहां माता-पिता को केवल मोबाइल छीन लेने के बजाय बच्चे से बातचीत करनी होगी। डांट और डर से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। बच्चे को यह समझाना होगा कि मोबाइल जीवन का हिस्सा हो सकता है, जीवन का केंद्र नहीं।

परिवार से दूर होता बचपन

आज कई घरों में एक अजीब दृश्य दिखाई देता है। एक कमरे में पूरा परिवार बैठा है, लेकिन हर व्यक्ति अपनी-अपनी स्क्रीन में व्यस्त है। बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने आसपास देखते हैं। यदि माता-पिता स्वयं हर समय मोबाइल में व्यस्त रहेंगे तो केवल बच्चों से मोबाइल दूर रखने की अपेक्षा करना कठिन होगा।

बचपन को परिवार की बातचीत चाहिए। दादा-दादी की कहानियां चाहिए। माता-पिता का समय चाहिए। दोस्तों के साथ खेलना चाहिए। मैदान में हार-जीत का अनुभव चाहिए। किताबों से कल्पना की दुनिया बनानी चाहिए। कला, संगीत, प्रयोग और रचनात्मक गतिविधियां बच्चे के व्यक्तित्व को विस्तार देती हैं। मोबाइल की स्क्रीन इन अनुभवों का विकल्प नहीं बन सकती।

यदि बचपन का बड़ा हिस्सा आभासी दुनिया में गुजरने लगे तो सामाजिक व्यवहार, संवाद क्षमता और वास्तविक परिस्थितियों से निपटने का अनुभव प्रभावित हो सकता है। आज की सुविधा कल की कमजोरी न बन जाए, इसकी चिंता अभी से करनी होगी।

दुनिया में बढ़ रही सतर्कता

दुनिया के कई देशों में बच्चों और सोशल मीडिया के संबंध को लेकर सरकारें नए नियमों पर काम कर रही हैं। ऑस्ट्रेलिया में कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल को लेकर आयु आधारित प्रतिबंध लागू किया गया है। कई यूरोपीय देशों में स्कूलों में मोबाइल इस्तेमाल सीमित करने पर जोर दिया गया है। चीन में नाबालिगों के ऑनलाइन गेम खेलने के समय को नियंत्रित किया गया है। दक्षिण कोरिया में अत्यधिक इंटरनेट और स्मार्टफोन निर्भरता से जुड़ी समस्याओं के लिए परामर्श की व्यवस्था की गई है।

भारत में परिस्थितियां अलग हैं। यहां परिवार, समाज, शिक्षा और संस्कृति की अपनी जटिलताएं हैं। इसलिए किसी दूसरे देश का मॉडल ज्यों का त्यों लागू नहीं किया जा सकता। लेकिन इसका अर्थ यह भी नहीं कि समस्या को अनदेखा किया जाए।

राजस्थान को डिजिटल नीति बनानी होगी।राजस्थान में बच्चों के लिए एक स्पष्ट डिजिटल सुरक्षा नीति की जरूरत है। स्कूलों में स्मार्टफोन मुक्त कक्षाओं पर गंभीरता से विचार किया जा सकता है। साथ ही बच्चों को साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन गोपनीयता, साइबर उत्पीड़न, गलत सूचना और जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार की जानकारी पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाकर दी जा सकती है।

शिक्षकों को केवल पढ़ाने तक सीमित रखने के बजाय उन्हें डिजिटल जोखिमों की पहचान के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। जिन बच्चों को तकनीक के अत्यधिक इस्तेमाल से परेशानी हो रही हो, उनके लिए विद्यालय स्तर पर परामर्श की व्यवस्था होनी चाहिए। अभिभावकों को भी डिजिटल पालन-पोषण के बारे में जागरूक किया जाना जरूरी है।

इसके साथ ही स्कूलों में पुस्तकालयों को सक्रिय करना होगा। बच्चों को केवल किताब खरीदने की सलाह देने से पढ़ने की आदत नहीं बनेगी। पुस्तक चर्चा, कहानी लेखन, वाचन, खेल, विज्ञान प्रयोग, कला और परियोजना आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देना होगा। बच्चे को मोबाइल से हटाने के लिए उसके सामने बेहतर विकल्प भी रखने होंगे।

बच्चों को सोशल मीडिया से पूरी तरह काट देना व्यावहारिक समाधान नहीं है। डिजिटल दुनिया से परिचित होना आज की आवश्यकता भी है। सवाल यह है कि बच्चा तकनीक का इस्तेमाल कर रहा है या तकनीक बच्चे के व्यवहार को नियंत्रित कर रही है। सरकार को उम्र के अनुसार स्क्रीन इस्तेमाल, डिजिटल सुरक्षा और ऑनलाइन व्यवहार के स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाने चाहिए। विद्यालय, परिवार और समाज को मिलकर जिम्मेदारी निभानी होगी। बच्चों पर पहरा लगाने से अधिक जरूरी है उन्हें डिजिटल दुनिया में सुरक्षित और जिम्मेदार तरीके से चलना सिखाना।

आज मोबाइल हाथ में है, कल यही बच्चे देश का भविष्य संभालेंगे। इसलिए चिंता केवल इस बात की नहीं होनी चाहिए कि बच्चा कितने घंटे मोबाइल चला रहा है। असली सवाल यह है कि मोबाइल उसके समय, सोच, व्यवहार और रिश्तों के साथ क्या कर रहा है।

अगर आज हमने इस बदलाव को केवल आधुनिकता समझकर नजरअंदाज कर दिया तो आने वाले वर्षों में समस्या कहीं अधिक गहरी हो सकती है। सरकार को अब इंतजार करने के बजाय नीति बनानी होगी। स्कूलों को पहल करनी होगी और परिवारों को अपनी भूमिका समझनी होगी।

बच्चे को तकनीक चाहिए, लेकिन उससे ज्यादा उसे बचपन चाहिए। उसे इंटरनेट चाहिए, लेकिन उससे ज्यादा संवाद चाहिए। उसे स्क्रीन चाहिए, लेकिन उससे ज्यादा किताब, खेल का मैदान, परिवार का साथ और समाज से जुड़ाव चाहिए। डिजिटल युग को रोकना संभव नहीं है, लेकिन उसमें बचपन को खोने से बचाना निश्चित रूप से संभव है। यही समय है कि सरकार, शिक्षा व्यवस्था और परिवार मिलकर तय करें कि तकनीक बच्चों का भविष्य बनाएगी या उनका बचपन छीन लेगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

दुनिया के लिए चिंता का विषय बना अलनीनो

धरती का बदलता मिजाज अब केवल वैज्ञानिकों के शोध और मौसम विशेषज्ञों की रिपोर्ट तक सीमित विषय नहीं रह गया है। इसका असर आम आदमी के जीवन से लेकर कृषि, जल संसाधन, अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य तक स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। कहीं आसमान से बरसती आग लोगों को बेहाल कर रही है, तो कहीं कुछ ही घंटों में होने वाली मूसलाधार बारिश शहरों को जलमग्न कर रही है। कहीं किसान बारिश का इंतजार करते-करते परेशान हैं, तो कहीं अत्यधिक वर्षा उनकी महीनों की मेहनत को बहा ले जा रही है। मौसम के इस बदलते और असामान्य स्वरूप के बीच अल नीनो एक बार फिर दुनिया के लिए चिंता का विषय बनकर सामने आता है।

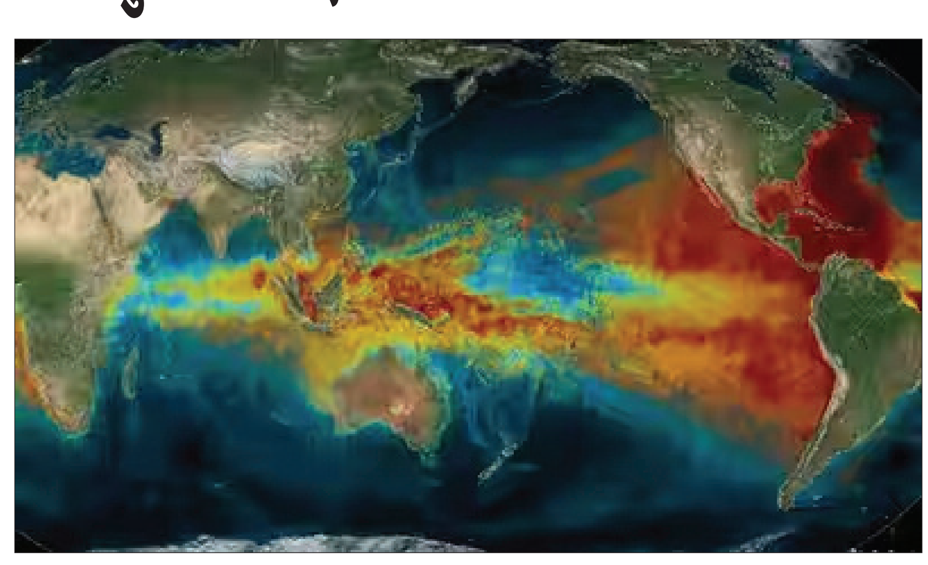

अल नीनो प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी हिस्से में समुद्री सतह के तापमान के सामान्य से अधिक गर्म होने से जुड़ी एक प्राकृतिक जलवायु घटना है। इसका प्रभाव केवल प्रशांत महासागर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में तापमान, वर्षा और हवाओं के पैटर्न को प्रभावित कर सकता है। यह घटना प्राकृतिक जलवायु चक्र का हिस्सा है और हजारों वर्षों से पृथ्वी की जलवायु व्यवस्था में इसका अस्तित्व रहा है। लेकिन आज परिस्थितियां पहले जैसी नहीं हैं। मानव गतिविधियों के कारण पृथ्वी का औसत तापमान लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में अल नीनो और बढ़ते वैश्विक तापमान का मेल मौसम की चरम स्थितियों को और अधिक गंभीर बना सकता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर अल नीनो को लेकर इतनी चिंता क्यों है? इसका उत्तर इसके व्यापक प्रभावों में छिपा है। अल नीनो के दौरान दुनिया के कई हिस्सों में तापमान सामान्य से अधिक बढ़ सकता है, जबकि कुछ क्षेत्रों में वर्षा के स्वरूप में बड़ा बदलाव देखने को मिलता है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए यह स्थिति विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। देश की बड़ी आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है और आज भी खेती का एक बड़ा हिस्सा मानसूनी बारिश पर आधारित है। यदि बारिश सामान्य से कम होती है या उसका वितरण असमान रहता है, तो इसका सीधा असर खरीफ फसलों पर पड़ सकता है।

धान, मक्का, दालें, तिलहन और अन्य फसलों की पैदावार प्रभावित होने का खतरा बढ़ जाता है। उत्पादन में कमी का असर केवल किसान तक सीमित नहीं रहता। इससे खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ सकती हैं और महंगाई पर दबाव पैदा हो सकता है। पहले से ही महंगाई और रोजगार जैसी चुनौतियों से जूझ रहे आम परिवारों के लिए खाद्य कीमतों में बढ़ोतरी अतिरिक्त बोझ बन सकती है।

लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू भी कम गंभीर नहीं है। जलवायु परिवर्तन के कारण जब वातावरण अधिक गर्म होता है, तो उसमें नमी धारण करने की क्षमता बढ़ती है। परिणामस्वरूप कई बार कम समय में अत्यधिक बारिश होने लगती है। ऐसी बारिश सामान्य मानसून से अलग होती है। कुछ घंटों में इतनी वर्षा हो जाती है कि शहरों की जल निकासी व्यवस्था जवाब दे देती है, नदियां उफान पर आ जाती हैं और पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन का खतरा बढ़ जाता है। यानी एक ओर सूखे जैसी स्थिति और दूसरी ओर अचानक बाढ़–दोनों परिस्थितियां एक ही बदलती जलवायु व्यवस्था का हिस्सा बन सकती हैं।

भारत के लिए यह खतरा इसलिए भी गंभीर है क्योंकि देश की भौगोलिक विविधता बहुत अधिक है। हिमालयी क्षेत्र में भारी बारिश और बादल फटने जैसी घटनाएं जान-माल को नुकसान पहुंचा सकती हैं। मैदानी इलाकों में नदियों का जलस्तर बढ? से बाढ़ की स्थिति पैदा हो सकती है। वहीं महानगरों में कुछ घंटों की तेज बारिश ही यातायात, बिजली, सीवर और जनजीवन को अस्त-व्यस्त करने के लिए पर्याप्त है। ऐसे में यह समझना होगा कि केवल बारिश की कुल मात्रा देखना पर्याप्त नहीं है; **बारिश कब, कितनी तेजी से और किस क्षेत्र में होती है**, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

अल नीनो का असर समुद्री और स्थलीय पारिस्थितिकी पर भी पड़ सकता है। समुद्र का तापमान बढड़े से समुद्री जीव-जंतुओं और मछली उत्पादन पर असर पड़ सकता है। समुद्र दुनिया की जलवायु प्रणाली का महत्वपूर्ण नियामक है। इसलिए समुद्र के तापमान में होने वाला बदलाव लंबे समय तक वातावरण और मौसम को प्रभावित कर सकता है। यदि समुद्रों का तापमान लगातार बढ़ता रहा तो समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र पर दबाव और बढ़ेगा।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी बदलता मौसम बड़ी चुनौती बन रहा है। अत्यधिक गर्मी से हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। कमजोर वर्ग, बुजुर्ग, बच्चे और खुले में काम करने वाले श्रमिक सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। दूसरी ओर बाढ़ के बाद जलजनित बीमारियों और मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। इस प्रकार जलवायु परिवर्तन और अल नीनो का प्रभाव केवल मौसम विभाग के आंकड़ों तक सीमित नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य का भी विषय है।

अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कृषि उत्पादन में कमी, बिजली की मांग में वृद्धि, जल संकट, बाढ़ से बुनियादी ढांचे को नुकसान और स्वास्थ्य संबंधी खर्च–इन सभी का आर्थिक बोझ सरकार और जनता दोनों को उठाना पड़ता है। अत्यधिक गर्मी में बिजली की मांग बढ़ती है, जबकि जल संकट से उद्योग और कृषि दोनों प्रभावित हो सकते हैं। दूसरी ओर बाढ़ और भूस्खलन से सड़कों, पुलों और अन्य सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचता है।ऐसे समय में सरकारों की जिम्मेदारी केवल राहत और मुआवजे तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। आवश्यकता इस बात की है कि जलवायु जोखिम को विकास की हर योजना का हिस्सा बनाया जाए। शहरों की जल निकासी व्यवस्था को आधुनिक बनाया जाए, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में निर्माण पर प्रभावी नियंत्रण हो, जल संरक्षण को प्राथमिकता दी जाए और किसानों को मौसम आधारित कृषि सलाह समय पर उपलब्ध कराई जाए। सूखा और बाढ़ दोनों से निपटने के लिए स्थानीय स्तर पर अलग-अलग रणनीतियां तैयार करनी होंगी।

कृषि क्षेत्र में भी पारंपरिक सोच से आगे बढड़े की जरूरत है। कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली फसलों, सूखा और गर्मी सहन करने वाली किस्मों, माइक्रो-इरिगेशन तथा वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देना होगा। किसानों को मौसम की वास्तविक समय की जानकारी और संभावित जोखिमों के बारे में पहले से चेतावनी मिलनी चाहिए। इससे वे बुवाई, सिंचाई और कटाई से जुड़े निर्णय अधिक वैज्ञानिक ढंग से ले सकेंगे।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अल नीनो को केवल एक अस्थायी प्राकृतिक घटना मानकर उसके खतरे को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अल नीनो आएगा और जाएगा, लेकिन यदि पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ता रहा तो ऐसी प्राकृतिक घटनाओं के प्रभाव अधिक जटिल और गंभीर हो सकते हैं। इसलिए वास्तविक चुनौती अल नीनो से अधिक उस बदलती जलवायु व्यवस्था की है, जिसमें अल नीनो अपना प्रभाव डाल रहा है।

धरती हमें लगातार संकेत दे रही है। कभी रिकॉर्ड गर्मी के रूप में, कभी असामान्य बारिश के रूप में और कभी सूखे तथा बाढ़ के एक साथ बढ़ते खतरे के रूप में। अब आवश्यकता भय पैदा करने की नहीं, बल्कि समय रहते तैयारी करने की है। विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन कायम किए बिना भविष्य सुरक्षित नहीं किया जा सकता।अल नीनो को रोकना हमारे हाथ में नहीं है, लेकिन उसके प्रभावों से होने वाले नुकसान को कम करना निश्चित रूप से हमारे हाथ में है। इसके लिए वैज्ञानिक चेतावनियों को गंभीरता से लेना होगा, जलवायु अनुकूल नीतियां बनानी होंगी और प्रकृति के साथ विकास की नई भाषा लिखनी होगी। यदि हमने आज भी चेतावनियों को नजरअंदाज किया, तो आने वाली पीढिड़ों को केवल बदलते मौसम का नहीं, बल्कि बदलती और अधिक असुरक्षित दुनिया का सामना करना पड़ेगा। अब समय है कि धरती के बदलते मिजाज को समझा जाए और उसके संकेतों पर गंभीरता से अमल किया जाए।

ग्रेटर नोएडा में किसान एकता महासंघ की बैठक:क्षेत्रीय युवाओं को रोजगार दिलाने की मांग पर चर्चा

एजेंसी

नोएडा। किसान एकता महासंघ की एक बैठक रविवार शाम 4 बजे ग्रेटर नोएडा के मिलक गांव में आयोजित की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश कसाना के नेतृत्व में हुई इस बैठक में किसानों की विभिन्न समस्याओं और क्षेत्रीय युवाओं को रोजगार दिलाने की मांग पर चर्चा हुई। प्रदेश उपाध्यक्ष बलजीत हवलदार के आवास पर हुई इस बैठक की अध्यक्षता राजवीर ठेकेदार ने की। इसका संचालन जिला अध्यक्ष अरविंद सैकेटरी ने किया। जिला अध्यक्ष अरविंद

सैकेटरी ने बताया कि बैठक में किसानों के लंबित मुआवजे, आबादी निस्तारण और क्षेत्रीय युवाओं को रोजगार दिलाने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। पदाधिकारियों ने जोर दिया कि विकास परियोजनाओं से प्रभावित किसानों और स्थानीय लोगों की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान किया जाए। विशेष रूप से, स्थानीय युवाओं को रोजगार के उचित अवसर प्रदान करने की मांग उठाई गई। संगठन का कहना है कि क्षेत्र में होने वाले विकास कार्यों में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। बैठक में निर्णय लिया गया कि इन सभी समस्याओं के समाधान के लिए जल्द ही यमुना प्राधिकरण के अधिकारियों को एक ज्ञापन सौंपा जाएगा। संगठन ने प्राधिकरण से इन मांगों पर प्रभावी कार्रवाई करने की अपील करने का फैसला किया है। इस अवसर पर पप्पू प्रधान, मास्टर इंद्रपाल सिंह, कर्मवीर भाटी, प्रवीन पहलवान, अमित नागर, रविंद्र नागर, सावित्री देवी, मांगे प्रधान, विकल नागर, गजराज कसाना, बिरम सिंह सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

बस की खिड़की से हाथ बाहर निकालना पड़ा महंगा, युवक का हाथ क्षतिग्रस्त

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- बस में सफर के दौरान खिड़की से हाथ बाहर निकालना एक युवक को महंगा पड़ गया। सामने से आ रहे लोडर वाहन की टक्कर से युवक का हाथ गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। जानकारी के अनुसार बरेली निवासी 20 वर्षीय हिफजुद्दीन पुत्र जफरुद्दीन शुक्रवार रात करीब 11 बजे अपने साथी के साथ रोडवेज बस से धामपुर जा रहा था। उसने बस की खिड़की से हाथ बाहर निकाल रखा था। जैसे ही बस नगीना-कोतवाली मार्ग पर फोरलेन के पास पहुंची, सामने से आ रहे छोटा हाथी वाहन की साइड उसके हाथ से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि हाथ का एक हिस्सा टूटकर सड़क पर गिर गया। हादसे के बाद बस में अफरा-तफरी मच गई। उसके साथी ने उसे तुरंत बस से उतारकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगीना पहुंचाया। सीएचसी प्रभारी डॉ. विशाल दिवाकर ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल बिजनौर रेफर कर दिया। 108 एंबुलेंस से उसे बिजनौर भेजा गया।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर पुलिसकर्मियों ने लगाई साइकिल रेस, फिटनेस का दिया संदेश

अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर रविवार को अमरोहा पुलिस द्वारा एक विशेष साइकिल रेस का आयोजन किया गया। यह रेस पुलिस लाइन अमरोहा से शुरू होकर मिनी स्टेडियम तक निकाली गई। साइकिल रेस को प्रतिसार निरीक्षक घनश्याम सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रेस में पुलिस के जवानों और अधिकारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान सभी ने खेल भावना, अनुशासन और फिटनेस का संदेश दिया। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय खेल दिवस मेजर ध्यानचंद की जयंती पर मनाया जाता है, इसका उद्देश्य लोगों में खेलों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इसी कड़ी में पुलिसकर्मियों को शारीरिक रूप से स्वस्थ, सक्रिय और तनावमुक्त रखने के लिए इस तरह के आयोजन किए जा रहे हैं। इससे पुलिसकर्मियों में आपसी सहयोग, सकारात्मक सोच और प्रतिस्पर्धा की भावना भी विकसित होती है। कार्यक्रम के अंत में अधिकारियों ने सभी पुलिसकर्मियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और नियमित रूप से शारीरिक गतिविधि व खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

यातायात पुलिस और ईमानदार ऑटो चालक ने लौटाया महिला का 20 हजार से भरा बैग

अमरोहा (सब का सपना):- यातायात पुलिस की तत्परता और एक ऑटो चालक की ईमानदारी से एक महिला को उसका खोया हुआ बैग नकद समेत वापस मिल गया।

जानकारी के अनुसार शनिवार को मिथिलेश नामक महिला कैलसा रोड से ऑटो में बैठकर टीपी नगर चौराहे पर उतरीं। भूलवश उनका बैग ऑटो में ही छूट गया, जिसमें 20 हजार रुपये नकद व अन्य सामान था। सूचना मिलते ही टीपी नगर चौराहे पर तैनात टीएसआई योगेन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल

करम प्रकाश व कांस्टेबल रेहान ने सीसीटीवी की मदद से ऑटो की तलाश शुरू की।

इसी बीच ऑटो चालक मुनाजिर निवासी जोया स्वयं बैग लेकर वापस लौटा और बताया कि सवारी का बैग छूट गया है। पुलिस ने महिला को बुलाकर बैग खुलवाकर मिलान कराया और पूरा सामान सुरक्षित महिला को सौंप दिया। अपना बैग वापस पाकर महिला व परिजनों ने पुलिस और ऑटो चालक का आभार जताया।

ग्रेनो में जमीन का मुआवजा बढ़ने पर किसानों ने मिठाई बांट खुशी मनाई

एजेंसी

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में जमीन का मुआवजा बढ़ने पर शनिवार को दादूपुर, नवादा, पीपलका सहित कई गांवों के किसानों ने सेक्टर-37 में इकट्ठा होकर मिठाई बांट खुशी मनाई। इसके लिए शासन और प्राधिकरण के उच्चाधिकारियों का आभार व्यक्त किया है। साथ ही किसानों से जुड़ी अन्य समस्याओं के निस्तारण में तेजी लाने की मांग की है। शासन के निर्देश पर प्राधिकरण बोर्ड ने जमीन का मुआवजा 4,125 रुपये से बढ़ाकर 6,415 रुपये प्रति वर्गमीटर कर दिया है। यह अब तक की सबसे ज्यादा वृद्धि है। वहीं 6 फीसदी आबादी भूखंड के साथ 5,725 रुपये प्रति वर्गमीटर की दर से मुआवजा मिलेगा। छह फीसदी आबादी भूखंड दिए जाने का प्रावधान वर्ष 2016 में समाप्त कर दिया गया था। इसे अब पुनः लागू कर दिया गया है। बीते गुरुवार को

हुई घोषणा से किसानों में खुशी का माहौल दिख रहा है। बता दें कि अधिसूचित क्षेत्र के गांवों के किसान पिछले कई सालों से मुआवजा बढ़ाने की मांग कर रहे थे। मुआवजा कम होने की वजह से प्राधिकरण को जमीन नहीं मिल पा रही थी। लंबे इंतजार के बाद मुआवजा बढ़ने पर किसानों में खुशी दिख रही है। दादूपुर गांव के किसान इंद्राज सिंह नागर का कहना है कि शासन और प्राधिकरण के उच्चाधिकारियों ने जमीन का मुआवजा बढ़ाकर किसानों के हित में बड़ा फैसला लिया है। उनका कहना है कि 64.7 फीसदी अतिरिक्त मुआवजा, आबादी की लीजबैक, आबादी भूखंड के आवंटन आदि में तेजी लाई जाए। किसानों का कहना है कि मुआवजा राशि में हर साल वृद्धि होनी चाहिए। प्राधिकरण अपने सभी श्रेणी के भूखंडों की आवंटन दर में हर साल वृद्धि करता है। उसी अनुपात में किसानों का मुआवजा भी बढ़ना चाहिए।

छह साल की मासूम का कातिल साइको किलर:बच्चों को बनाता था निशाना, नोएडा के बलराज की क्राइम हिस्ट्री पढ़िए

एजेंसी

नोएडा। नोएडा के हल्दौनी गांव में छह साल की मासूम के साथ रेप और हत्या के बाद पुलिस मुठभेड़ में मारे गए बलराज की क्राइम हिस्ट्री चौंकाने वाली है। पुलिस के मुताबिक, बलराज कोई मामूली अपराधी नहीं था, बल्कि बच्चों को निशाना बनाने वाला ह्यसाइको किलरद्ध था। बलराज उर्फ बल्ला ने साल 2006 में गाजियाबाद के लोनी में एक व्यक्ति की हत्या कर दी थी। इस मामले में उसे गाजियाबाद जिला अदालत ने दोषी करार देते हुए दस साल की सजा सुनाई थी। डासना जेल में आठ साल बंद रहने के बाद उसे रिहा कर दिया। मूल रूप से बुलंदशहर का रहने वाला बलराज ने शादी नहीं की थी। उसके दो भाई बुलंदशहर छोड़ कर दनकौर

इलाके में आकर बस गए। नशे के आदी बलराज की हरकतों के चलते उसके परिवार ने उसे उसके हाल पर छोड़ दिया। बलराज ने 2017 में सूरजपुर के संतोष नगर इलाके में एक बुजुर्ग महिला के साथ रेप के बाद गला दबा कर हत्या कर दी। 16 अक्बटूर 2017 में ही एक शाम सब्जी खरीदने बाजार आए एक बच्चे को अगवा कर उसके साथ कुकर्म किया और उसकी गला दबा कर हत्या के बाद शव एक खेत में फेंक दिया। इन दोनों की हत्याकांड में जेल गया बलराज 2024 में जमानत पर बाहर आया और फिर अपने मजदूरी के पेशे में लगा। नोएडा के हल्दौनी गांव में छह साल की मासूम के साथ रेप और हत्या के बाद पुलिस मुठभेड़ में मारे गए बलराज का शव ले जाते पुलिसकर्मी। नोएडा के हल्दौनी गांव में छह साल की मासूम के साथ रेप और हत्या के बाद पुलिस मुठभेड़ में मारे गए बलराज का शव ले जाते पुलिसकर्मी। घर से दो किमी दूर फेंका शव पुलिस के मुताबिक, बलराज बच्चों को निशाना बनाता था और अपराध के बाद शव को ठिकाने लगाने की कोशिश करता था। हल्दौनी की घटना में भी उसने छह साल की बच्ची के शव को बोरे में भरा और घर से करीब दो किलोमीटर दूर खेत में फेंक दिया। पुलिस का दावा है कि पुराने मामलों के बावजूद बलराज के अंदर कानून का डर नहीं था। यही वजह है कि इस वारदात के बाद भी वह सामान्य तरीके से इलाके में घूमता रहा। सीसीटीवी ने खोला राज 28 अगस्त को बच्ची घर से लापता हुई थी। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर पांच टीमें लगाईं। आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। फुटेज में बलराज बोरे में बच्ची को ले जाता दिखाई दिया। इसके बाद परिजनों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पूछताछ में पुलिस को उसके पास अवैध पिस्टल होने की जानकारी मिली शनिवार को पुलिस बलराज को हथियार बरामद कराने के लिए बताए गए स्थान पर लेकर पहुंची।

संक्षिप्त डायरी

अनुसंधान को समाज की जरूरतों से जोड़ने पर जोर

एजेंसी

नोएडा। शारदा विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान एवं जैव रसायन विज्ञान विभाग द्वारा शनिवार को भविष्य की तकनीकें और अनुसंधान पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस दौरान अनुसंधान को समाज की जरूरतों से जोड़ने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता सीएसआईआर-आईआईआईएम के पूर्व निदेशक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. राम विश्वकर्मा ने भविष्य की उभरती तकनीकों, उद्योग और अकादमिक जगत के बीच सहयोग और अनुसंधान को समाज की जरूरतों से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों को बहु-विषयक अनुसंधान, नवाचार, स्टार्टअप संस्कृति, बौद्धिक संपदा अधिकार और उद्योगोन्मुख अनुसंधान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि भविष्य में एआई, नवीकरणीय ऊर्जा आदि वैश्विक प्रगति के मुख्य आधार होंगे। इस दौरान छात्रों और शोधार्थियों ने सवाल पूछे, जिनका प्रो. विश्वकर्मा ने विस्तार से जवाब दिया। इस मौके पर स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड साइंस की डीन डॉ. पल्लवी गुप्ता, विभागाध्यक्ष डॉ. अनुपम अग्रवाल, डॉ. नूपुर श्रीवास्तव, डॉ. विवेक श्रीवास्तव, डॉ. शशांक शर्मा आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह और टूनार्मेंट का हुआ आयोजन

एजेंसी

नोएडा। राष्ट्रीय खेल दिवस टूनार्मेंट के दूसरे दिन क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल व फाइनल मुकाबले शामिल रहे। बालक वर्ग में एक्सपर्ट स्कूल, ग्रेटर नोएडा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि जीकेजी क्लब ने द्वितीय स्थान हासिल किया। विजेता व प्रतिभागी खिलाड़ियों को उनके समर्पण, अनुशासन और खेल भावना के सम्मान में मेडल, प्रमाण-पत्र, ट्रैक सूट, टी-शर्ट, शॉर्ट्स व ट्रॉफी प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। यह दिवस महान भारतीय हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक दादरी तेजपाल सिंह नागर, बलविंदर सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में ग्रेटर नोएडा हॉकी एसोसिएशन के अध्यक्ष सरदार मनजीत सिंह, समाजसेवी हरेन्द्र भाटी, विद्यालय के वाइस प्रिंसिपल जैवीर डागर, बिजेनदर सिंह आर्य, रवीन्द्र सिंह, अनिल चौधरी, सुभाष चदेल, असीम शर्मा, वी के सहरावत, कपिल कुमार, चंदमणि व दिलीप कुमार सहित कई प्रतिष्ठित पूर्व व राष्ट्रीय स्तर के हॉकी खिलाड़ी उपस्थित रहे।

कूड़ा डालने के विवाद में चार लोगों पर मारपीट का आरोप

एजेंसी

नोएडा। फेज-वन थाना क्षेत्र में दो सप्ताह पहले बाथरूम के सामने कूड़ा डालने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। एक महिला ने कूड़े का विरोध किया तो दूसरे पक्ष की महिला ने पति समेत तीन लोगों के साथ मिलकर मारपीट की। पीड़िता की शिकायत पर चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। सेक्टर-तीन स्थित विद्युत उपकेंद्र के पास रहने वाली सोना देवी ने पुलिस को बताया कि 17 अगस्त की सुबह करीब नौ बजे पति कार्यालय गए हुए थे। वह घर पर अकेली थीं। वह बाथरूम में नहाने जा रही थीं। आरोप है कि उसी समय कन्हैया लाल की पत्नी सीमा देवी ने उनके बाथरूम के दरवाजे के सामने झाड़ू से कूड़ा डाल दिया। उन्हें जब ऐसा करने से मना किया तो वह आगबबूला हो गईं। आरोप है कि यह सुनकर कन्हैया लाल ने बाहर आकर गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। विरोध किया तो कन्हैया लाल, उसका भाई चंद्रवीर सिंह, उसका साला ताराचंद और सीमा देवी जबरन पीड़िता के कमरे में घुस आए। चंद्रवीर सिंह ने उनके दोनों हाथ पकड़ लिए और कन्हैया लाल, सीमा देवी, ताराचंद ने उनके साथ मारपीट की। इस दौरान पीड़िता को गंभीर चोट आईं। आसपास के लोगों के एकत्र होने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया है। जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वाहन चोरी करने वाले तीन शातिर बदमाश गिरफ्तार

एजेंसी

नोएडा। फेज-तीन थाना पुलिस ने शुक्रवार रात जांच के दौरान दोपहिया वाहन चोरी करने वाले तीन शातिर बदमाशों को दबोच लिया। उनके पास से विभिन्न स्थान से चोरी की गईं तीन बाइक भी बरामद हुई हैं। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। सेंट्रल नोएडा जोन के एडीसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि शुक्रवार देर रात पुलिस टीम क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान सेक्टर-71 स्थित जागृति अपार्टमेंट के पीछे सर्विस रोड से बाइक सवार तीन संदिग्धों को हिरासत में ले लिया। उनसे पूछताछ की तो पता चला कि वह दोपहिया वाहन चोरी करते हैं। उनकी निशानदेही पर दो बाइक और बरामद कर लीं। तीनों बाइक विभिन्न स्थान से चोरी की गई थीं। आरोपियों की पहचान सेक्टर-63 स्थित बहलोलपुर गांव निवासी निखिल यादव, हापुड़ के सिंभावली निवासी दीपांशु कुमार और बिहार के जिला शिवहर के बेलवा घाट निवासी विक्की सैनी के रूप में हुई। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि तीनों दिल्ली-एनसीआर में अलग-अलग स्थानों से बाइक चोरी करते हैं। जब कई मोटरसाइकिल इकट्ठी हो जाती हैं तो उन्हें एक साथ दूसरे जिलों में ले जाकर मजबूरी बताकर अलग-अलग लोगों को सस्ते दामों में बेच देते हैं। बाइक बेचकर जो रुपये मिलते हैं उनसे अपनी मौज-मस्ती में खर्च कर देते हैं।

कार में सीएनजी नहीं भरने पर सेल्समैन के साथ मारपीट

एजेंसी

नोएडा। सेक्टर बीटा-दो स्थित एक पंप पर कार में सीएनजी नहीं भरने पर विवाद हो गया। कार सवार युवकों ने सेल्समैन के साथ मारपीट की। पंप के मैनेजर ने दो नामजद और कुछ अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस के मुताबिक पंप के मैनेजर धीर सिंह की शिकायत पर आरोपी कार सवार शिवम, अमित और इनके कुछ अज्ञात साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मैनेजर ने बताया कि शुक्रवार की शाम कार सवार आरोपी सीएनजी पंप पर पहुंचे थे। इन लोगों ने सेल्समैन से कार में सीएनजी भरने के लिए कहा। सेल्समैन ने देखा कि कार में हाइड्रो टेस्ट प्लेट नहीं लगी थी। इसकी वजह से सेल्समैन ने सीएनजी भरने से मना कर दिया। दरसअल, दिल्ली में सीएनजी भरते समय एक ट्रक में धमाके के बाद तीन लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद से बिना हाइड्रो टेस्ट प्लेट गाड़ी में सीएनजी भरने से मना किया गया है। इसी बात को लेकर कार सवार युवकों का सेल्समैन से विवाद हुआ। आरोपियों ने मिलकर सेल्समैन के साथ मारपीट की। मैनेजर ने विरोध किया तो उसके साथ भी मारपीट की गई। इसके बाद आरोपी धमकी देकर भाग गए। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

खोया सामान लौटाकर यातायात पुलिस ने जीता लोगों का दिल

पर्स और बैग बरामद कर मालिकों को सौंपे, पुलिस टीम की जमकर हुई सराहना

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद में रविवार को इस्लामनगर चौराहा बहजोई पर यातायात ड्यूटी के दौरान यातायात पुलिस टीम ने तत्परता और ईमानदारी का परिचय देते हुए अलग-अलग मामलों में खोए हुए पर्स और बैग को तलाशकर उनके मालिकों के सुपुर्द किया। यातायात उप निरीक्षक अशोक कुमार के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल सतीश कुमार, कांस्टेबल आदेश कुमार, गार्ड बनवारी लाल और नेम सिंह यातायात व्यवस्था संभाल रहे थे। ड्यूटी के दौरान एक व्यक्ति ने अपना पर्स खो जाने की जानकारी दी। टीम ने तत्काल चौराहे और आसपास के क्षेत्र में लोगों से पूछताछ कर पर्स की

तलाश शुरू की। काफी प्रयास के बाद टीम ने पर्स को तलाश लिया। पर्स में 1570 रुपये, आधार कार्ड, पैन कार्ड समेत अन्य जरूरी दस्तावेज सुरक्षित थे। पुलिस टीम ने संबंधित व्यक्ति को फोन कर मौके पर बुलाया और पर्स उसके सुपुर्द कर दिया। पर्स वापस मिलने पर व्यक्ति ने यातायात पुलिस टीम का आभार जताते हुए उनकी प्रशंसा की। इसी बीच कुछ देर बाद एक अन्य व्यक्ति परेशान हालत में यातायात पुलिस टीम के पास पहुंचा। उसने बताया कि उसका एक बैग कहीं खो गया है, जिसमें लेडीज और जेंट्स कपड़े, मिठाई, रुपये समेत अन्य सामान रखा हुआ था। यातायात उप निरीक्षक अशोक कुमार के हमराह टीम ने तत्काल चौराहे और आसपास के क्षेत्र में पूछताछ शुरू कर बैग की तलाश की। टीम के प्रयास से बैग एक ई-रिक्शा से बरामद कर लिया गया।

बैग में रखा सामान सुरक्षित मिलने के बाद पुलिस टीम ने उसे संबंधित व्यक्ति के सुपुर्द कर दिया। खोया हुआ सामान वापस मिलने पर दोनों लोगों ने यातायात पुलिस टीम की कार्यशैली की सराहना करते हुए पुलिसकर्मियों का आभार व्यक्त किया। यातायात पुलिस की तत्परता और ईमानदारी से लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ।

महिलाओं को मिलेगा हुनर से रोजगार का मौका, 31 दिवसीय टेलरिंग प्रशिक्षण शुरू

सिलाई सीखकर बनेंगी आत्मनिर्भर, प्रशिक्षण के साथ बैंक ऋण और स्वरोजगार योजनाओं की मिलेगी जानकारी

RSETI
Rural Self Employment Training Institutes
Powering Rural Entrepreneurship

बहजोई/संभल(सब का सपना):- महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से केनरा बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), बहजोई (संभल)की ओर से महिला टेलरिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण का संभावित आयोजन सितंबर के प्रथम सप्ताह से किया जाएगा। प्रशिक्षण की अवधि 31 दिन निर्धारित की गई है। इस प्रशिक्षण में नौवीं कक्षा पास महिलाएं भाग ले सकेंगी। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को सिलाई एवं टेलरिंग के क्षेत्र में व्यावहारिक रूप से दक्ष बनाकर उन्हें घर बैठे रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। इसके साथ ही महिलाओं के रचनात्मक कौशल को विकसित कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाने पर भी जोर दिया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को नाप लेना एवं माप समझना, कपड़ों की बेसिक कटिंग, सिलाई मशीन और ओवरलॉक मशीन चलाना, विभिन्न प्रकार के टांके एवं सिलाई तकनीक की जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा सूट, सलवार, कुर्ती, ब्लाउज और पेटीकोट बनाना, फॉल-पिको, हेमिंग एवं फिनिशिंग, बेसिक डिजाइनिंग, कपड़ों की मरम्मत और अल्टरशन जैसे कार्यों का भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण में कपड़ों की देखभाल एवं प्रेसिंग के साथ उद्यमिता विकास और मार्केटिंग की जानकारी भी दी जाएगी, जिससे प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाएं अपना काम शुरू कर सकें और तैयार उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने का तरीका समझ सकें। प्रशिक्षण पूरा करने वाली महिलाओं को संस्थान की ओर से प्रमाण पत्र दिया जाएगा। इसके साथ ही स्वरोजगार शुरू करने के लिए बैंक ऋण एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी और सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत शिशु एवं तरुण ऋण सहित अन्य वित्तीय सुविधाओं की जानकारी भी दी जाएगी।

कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं को घर से ही सिलाई का व्यवसाय शुरू करने, आय का साधन विकसित करने और आर्थिक रूप से मजबूत बनने का अवसर मिलेगा। वहीं मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम युवा) के तहत युवाओं को अपना उद्यम स्थापित करने के लिए उपलब्ध सहायता एवं योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी।

मंडी धनौरा ब्लॉक परिसर में भाकियू (लोकहित अराजनैतिक) की मासिक बैठक का आयोजन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की मंडी धनौरा ब्लॉक परिसर में रविवार को भारतीय किसान यूनियन (लोकहित अराजनैतिक) की मासिक बैठक का आयोजन कराया गया। जिसमें उपस्थित किसानों ने गन्ने का भाव ड्ड600 प्रति कुंतल करने एवं बिजली के बढ़े हुए लोड को घटाने की मांग का मुद्दा उठाया। इसके अलावा बैठक में किसानों ने अपनी विभिन्न समस्याओं पर चर्चा करते हुए उसके शीघ्र समाधान न होने पर आंदोलन करने की भी चेतावनी दी। बता दें कि बैठक के दौरान राष्ट्रीय सलाहकार कैलाश त्यागी ने कहा कि गन्ने की बढ़ती लागत को देखते हुए सरकार आगामी पेराई सत्र (2026-27) के लिए मिल चालू होने से पहले गन्ने का भाव 600 रुपये प्रति

कुंतल घोषित करे।वरिष्ठ कार्यकर्ता कलुआ खां ने बिजली विभाग पर मनमानी का आरोप लगाते हुए कहा कि बिना किसी जांच के घरेलू बिजली कनेक्शनों का लोड बढ़ा दिया गया है। उन्होंने इस बढ़े हुए लोड की जांच कराकर उसे तुरंत घटाने की मांग की।जिला अध्यक्ष वसीम मलिक ने आवारा पशुओं से फसलों को हो रहे नुकसान का मुद्दा उठाया और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर भेजने की मांग की। त्रिलोक उर्फ बंटी अम्हेड़ा ने अमरोहा-हसनपुर से हरिद्वार जाने वाले गंगा एक्सप्रेस-वे में अधिग्रहित होने वाली किसानों की जमीनों का मुआवजा मार्केट रेट और सर्किल रेट से चार गुना देने की मांग की। आसिफ रायनी ने क्षेत्र में तेंदुए के आतंक से निजात दिलाने की गुहार लगाई।बैठक में दर्जनों कार्यकताओं को तहसील और ब्लॉक स्तर की जिम्मेदारियां सौंपकर संगठन का विस्तार भी किया गया। वक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि इन समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ, तो संगठन बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।इस अवसर पर जिला अध्यक्ष वसीम मलिक, राष्ट्रीय सलाहकार कैलाश त्यागी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शब्बन चौधरी, कलुआ खां, जमील अहमद, अमित त्यागी, महेंद्र सिंह, संजय कुमार, पिंटू त्यागी, प्रमोद कुमार, मूलचंद, लक्ष्य, दीपक कुमार, खजान, सहजर, पंकज सैनी, शहाबुद्दीन, अशोक वर्मा, आसिफ रायनी और त्रिलोक उर्फ बंटी अम्हेड़ा सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

गजरौला से मेंहदीपुर बालाजी धाम के लिए 35 श्रद्धालुओं ने किया प्रस्थान

सभी श्रद्धालु साईकिल पर सवार होकर पूर्ण करेंगे यात्रा

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला नगर से रविवार को मेहंदीपुर बालाजी धाम के लिए साइकिल पर सवार होकर 35 श्रद्धालुओं ने प्रस्थान किया। श्रद्धालुओं द्वारा इस यात्रा को श्री बालाजी दरबार गजरौला के नेतृत्व में निकाला गया है।श्रद्धालु 15 साइकिलों पर सवार थे, जिन पर भगवा झंडे और बालाजी की तस्वीरें लगी थीं। डीजे की धुन पर भजन बज रहे थे और भक्त "बालाजी महाराज की जय", "जय श्री राम" जैसे नारे लगा रहे थे, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। बता दें कि इसके बारे जानकारी देते हुए आयोजकों ने बताया कि यह श्री बालाजी दरबार गजरौला द्वारा आयोजित दूसरी साइकिल यात्रा है। पिछली यात्रा भी सफलतापूर्वक पूरी की गई थी। सभी भक्त पैदल के

बजाय साइकिल से मेंहदीपुर बालाजी जा रहे हैं। यात्रा में शामिल भक्तों ने बताया कि वे दर्शन के बाद 4 सितंबर को गजरौला लौट आएंगे। रास्ते भर श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए आगे बढ़ेंगे। गजरौला से मेंहदीपुर बालाजी तक की इस साइकिल यात्रा को देखकर रास्ते में लोगों ने भी श्रद्धालुओं का स्वागत किया और उन्हें जलपान कराया। इस यात्रा में दिनेश चंद्र नागर, राजेन्द्र सिंह महंत, कल्लूपाल सिंह कमेटी अध्यक्ष, अभय, अमरप्रीत गोयल, हिमांशु, अंकित भारद्वाज, राहुल शर्मा, अमर चौधरी, जयवीर सिंह, योगेश कुमार, रवि कुमार, वी चौधरी, योगेश कुमार, टिंकू शर्मा, शिवनंदन वर्मा, सचिन चौधरी, मनोज, रविन, नरेश वर्मा, राजवीर सिंह, श्रेय, ज्ञानेंद्र चौधरी, प्रशांत सिंह, वीरपाल सिंह, लक्ष्मी चौधरी, विक्की चौधरी सहित कई श्रद्धालु शामिल हैं।

मुख्यमंत्री आरोग्य मेले में स्वास्थ्य विभाग ने संभाला मोर्चा, हजारों मरीजों को मिला उपचार

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में रविवार को 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं 09 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 268वें मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में 37 चिकित्सकों एवं 129 पैरामेडिकल स्टाफ ने सेवाएं देते हुए कुल 2586 मरीजों का निःशुल्क उपचार किया। इनमें 1138 पुरुष, 958 महिलाएं और 490 बच्चे शामिल रहे। वहीं आयुष्मान भारत जन-आरोग्य योजना के तहत 107 लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड बनाए गए। आरोग्य मेले में बुखार के 272, चर्म रोग के 517, दमा के

368, मधुमेह के 117, नेत्र रोग के 10, उच्च रक्तचाप के 92 तथा अन्य रोगों से संबंधित मरीजों का परीक्षण एवं उपचार किया गया। बुखार से पीड़ित मरीजों में 49 की मलेरिया तथा 15 की डेंगू जांच की गई, जिसमें सभी संदिग्ध मरीजों की रिपोर्ट निगेटिव रही। सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर परिवार नियोजन संबंधी परामर्श एवं सामग्री उपलब्ध कराने के लिए अलग काउंटर बनाए गए। आशाओं द्वारा लोगों को सोर्स रिडक्शन और संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। एक युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के तहत 102 लोगों को तंबाकू छोड़ने के लिए परामर्श दिया गया। इसके अलावा 43 मरीजों को टेली-मानस कंसल्टेंसी की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक ने विभिन्न आरोग्य मेला सत्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उनके साथ अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों ने भी स्वास्थ्य केन्द्रों पर पहुंचकर मेले का निरीक्षण किया।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर हॉकी प्रतियोगिता में सेक्रेड हार्ट टीम बी ने मारी बाजी

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- राष्ट्रीय खेल दिवस एवं महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर शनिवार को जिला खेल कार्यालय सम्भल की ओर से मॉडल कॉलेज ऑफ लॉ, चंदौसी में 14 वर्षीय बालक हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन मॉडल कॉलेज ऑफ लॉ के प्रबंधक डॉ. अमोल कंचन ने किया। प्रतियोगिता में कुल छह टीमों ने प्रतिभाग किया। रोमांचक मुकाबले में सेक्रेड हार्ट टीम बी ने सेक्रेड हार्ट टीम ए को 2-1 से हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने शानदार खेल प्रतिभा

का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का उत्साह बढ़ाया। समापन समारोह में अंकित जैन, जिला कोषाध्यक्ष भाजपा द्वारा विजेता एवं प्रतिभागी खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरित किए गए। इस अवसर पर जिला क्रीड़ा अधिकारी प्रमिला भारती, जिला ओलंपिक सचिव आशु शर्मा, क्रिकेट कोच यश शुक्ला, शूटिंग कोच मयंक कुमार, फुटबॉल कोच नादिर राजा, खेलो इंडिया एथलेटिक्स कोच नकुल तोमर, खो-खो कोच विक्की गुप्ता, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी शर्मिल उपाध्याय, डॉ. तेजपाल सिंह, एचओडी बीए विभाग ज्ञान सिंह, एनसीसी एवं खेल प्रभारी सहित कॉलेज स्टाफ मौजूद रहा।

कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करते हुए मेजर ध्यानचंद के खेल योगदान को याद किया गया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर जिला खेल कार्यालय एवं कॉलेज प्रबंधन ने सभी खिलाड़ियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

कुढ़फतेहगढ़ थाने पहुंचे एसपी विकास चंद्र त्रिपाठी, साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था परखी

कुढ़फतेहगढ़/सम्भल(सब का सपना):- रविवार को पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल विकास चंद्र त्रिपाठी ने थाना कुढ़फतेहगढ़ का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना परिसर की साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था समेत विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया और प्रचलित अभिलेखों का अवलोकन किया। पुलिस अधीक्षक ने थाना कार्यालय, महिला हेल्प डेस्क, हवालात, मालखाना आदि का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को परखा। उन्होंने मिशन शक्ति केंद्र और साइबर हेल्प डेस्क पर प्राप्त होने वाली

शिकायतों तथा उनके निस्तारण की स्थिति की जानकारी ली। साथ ही थाना आने वाले आगंतुकों एवं फरियादियों के साथ शालीन, संवेदनशील और सम्मानजनक व्यवहार करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान एसपी ने अभिलेखों को अद्यावधिक रखने, लंबित विवेचनाओं एवं प्रार्थना पत्रों का नियमानुसार शीघ्र निस्तारण करने पर जोर दिया। उन्होंने अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के साथ ही थाना परिसर में साफ-सफाई की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिए। पुलिस अधीक्षक ने सभी पुलिसकर्मियों को अपने कर्तव्यों का पूर्ण निष्ठा और तत्परता के साथ निर्वहन करने तथा आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया।

युवाओं की सोच और प्रतिभा ने मोहा मन, नेतृत्व संगम में केएचएम कॉन्वेंट अव्वल

बहजोई/संभल (सबका सपना):- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, बहजोई नगर के तत्वावधान में रविवार को स्टेशन रोड स्थित बहजोई महाविद्यालय में संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में युवा नेतृत्व संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर के विभिन्न विद्यालयों की टीमों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर अपनी नेतृत्व क्षमता, रचनात्मक सोच, आत्मविश्वास और देश-समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना का परिचय दिया। प्रतियोगिता में केएचएम कॉन्वेंट स्कूल की टीम ने प्रथम, भगजी इंटरनेशनल स्कूल ने द्वितीय तथा सिल्वर स्टोन पब्लिक स्कूल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके

अलावा हीरा देवी कन्या इंटर कॉलेज, इंटरमीडिएट कॉलेज बहजोई तथा कृष्ण मुरारी मनोरमा अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर की टीमों ने भी उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम के दौरान ह्य2047 का भारत और युवाओं की भूमिकाह्ण विषय पर युवा संवाद आयोजित किया गया। इसमें युवाओं ने विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारियों को लेकर विचार व्यक्त किए। युवाओं को एक माह तक सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न टास्क भी दिए गए, ताकि उनमें समाजसेवा, नेतृत्व और जिम्मेदारी की भावना को और मजबूत किया जा सके। कार्यक्रम में सह जिला कार्यवाह संभव जैन, जिला व्यवस्था प्रमुख मनोज कारसेवक, जिला प्रचार प्रमुख कार्तिक गुप्ता, नगर संघचालक अवनेश कुमार, चैतन्य कुमार सिंह, अरविंद वार्ष्णेय एडवोकेट, जिला उपाध्यक्ष विकास वार्ष्णेय, प्रशांत शर्मा सहित संघ के कार्यकर्ता एवं नगर टोली के पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन नगर कार्यवाह लव कुमार शर्मा ने किया।

विवाहिता की मौत के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को किया गिरफ्तार

जुनावई/संभल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र में दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने तथा कथित रूप से गला दबाकर फांसी पर लटकाकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने रविवार को वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की कार्रवाई से मामले में आरोपी की गिरफ्तारी होने के बाद जांच को आगे बढ़ाने में मदद मिली है। पुलिस के अनुसार, 18 अगस्त को थाना जुनावई में धीरेन्द्र पुत्र कल्यान निवासी ग्राम बंदरई कमालगढ़ ने तहरीरी सूचना देकर आरोप लगाया गया था कि विवाहिता के ससुरालीजन उससे अतिरिक्त दहेज की मांग करते थे। मांग पूरी न होने पर उसे लगातार मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता

था। आरोप है कि बाद में ससुरालीजनों ने विवाहिता का गला दबाकर उसे फांसी पर लटकाकर हत्या कर दी। तहरीर के आधार पर थाना पुलिस ने मामले में सुसंगत धाराओं के साथ दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत किया था। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस द्वारा नामजद एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। इसी क्रम में रविवार को पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए वांछित अभियुक्त श्यामवीर पुत्र प्रेमपाल को दवथरा तिराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले में पुलिस द्वारा अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

शराब ठेके के सामने अधेड़ की गोली मारकर हत्या

फतेहपुर (सब का सपना):- जिले में शनिवार रात शराब ठेके के सामने विवाद के दौरान कुछ अराजकता तत्वों ने लाइसेंसी रिवाल्वर से फायर कर एक अधेड़ को घायल कर दिया गया। जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में घायल की मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर घटना की जांच पड़ताल किया है। मृतक के परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने नामजद मुकदमा दर्ज कर लिया है। फरार हत्यारों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है। वही एक हत्यारे के पिता(शराब ठेके के सेल्समैन) को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है।

हुसैनगंज थाना क्षेत्र के असनी गांव में निवासी मनीष दुबे(52) का पुत्र शराब के ठेके के सामने से निकल रहा था। उसी दौरान सेल्समैन गोबर्धन निषाद के दो पुत्र अमन सिंह व मनु सिंह से मनीष दुबे के पुत्र का विवाद होने लगा, उसने अपने पिता मनीष दुबे को बुला लिया। विवाद बढ़ता गया और अमन सिंह व मनु सिंह ने मनीष दुबे पर लाईसेंसी रिवाल्वर से फायर कर घायल कर दिया और मौके से फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल मनीष दुबे को परिजन जिला अस्पताल ले जा रहे थे तभी रास्ते में उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस बल के साथ थाना प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार पांडे मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर घटना की जांच पड़ताल शुरू की है। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि शराब ठेके के सेल्समैन गोवर्धन निषाद को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है।

वहीं, मुख्य आरोपी अमन सिंह व मनु सिंह की तलाश के लिए पुलिस टीमें दबिश दे रही है। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। घटना के बाद गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया है।

शिक्षा, राजनीति और एकता से ही होगा प्रजापति समाज का उत्थान:- धर्मवीर प्रजापति

महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में 130 मेधावी छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

चांदपुर/बिजनौर (सब का सपना):- महाराजा दक्ष प्रजापति समिति चांदपुर के तत्वावधान में भगवान महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अवसर पर सबसे पहले नूरपुर रोड स्थित सागर श्री बैंकट हॉल से भव्य बाइक रैली निकाली गई। बाइक रैली बिजनौर बाईपास होते हुए जलीलपुर रोड से होकर सौभाग्य बैंकट हॉल पहुंची, जहां बाइक रैली का समापन हुआ। बाइक रैली में उत्तर प्रदेश सरकार के होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा राज्य मंत्री धर्मवीर सिंह प्रजापति, भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के क्षेत्रीय मंत्री महेंद्र सिंह प्रजापति तथा धर्मेंद्र सिंह प्रजापति सहित समाज के अनेक लोग शामिल रहे। बाइक रैली के दौरान समाज के लोगों में उत्साह और उमंग का माहौल दिखाई दिया। बाइक रैली के समापन के बाद सौभाग्य बैंकट हॉल में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान महाराजा दक्ष प्रजापति के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा राज्य मंत्री धर्मवीर

सिंह प्रजापति रहे। समारोह को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री ने कहा कि प्रजापति समाज को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षा, राजनीति और एकता तीनों बेहद जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा परिवार और समाज के विकास की सबसे मजबूत नींव है। समाज के प्रत्येक परिवार को अपने बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ी ज्ञान और प्रतिभा के बल पर आगे बढ़ सके। राज्यमंत्री ने राजनीति के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राजनीति सभी तालों की चाबी है। जब तक समाज की राजनीति और सरकार में पर्याप्त भागीदारी नहीं होगी, तब तक समाज का अपेक्षित उत्थान संभव नहीं है। उन्होंने समाज के लोगों से राजनीतिक रूप से जागरूक और संगठित होने का आह्वान किया। उन्होंने एकता को समाज की सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए कहा कि आपसी मतभेदों को भुलाकर समाजहित में एकजुट होकर कार्य करना होगा। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन एवं क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। समारोह के दौरान 130 प्रजापति समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं को शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाज के प्रतिभाशाली व्यक्तियों को भी स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथियों में राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ के राष्ट्रीय महासचिव सुरेश बहादुर प्रजापति, भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के क्षेत्रीय मंत्री महेंद्र सिंह प्रजापति, आभा फाउंडेशन की संस्थापिका एवं वरिष्ठ समाजसेविका आभा सिंह, डॉ. सुशील दक्ष, कविता, वीर सिंह प्रजापति तथा राष्ट्रीय प्रजापति महासभा के जिलाध्यक्ष पंकज दक्ष सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाराजा दक्ष प्रजापति समिति चांदपुर के अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह प्रजापति ने की। समिति की ओर से मुख्य अतिथि राज्यमंत्री धर्मवीर सिंह प्रजापति सहित विशिष्ट अतिथियों को शील्ड एवं भगवान महाराजा दक्ष प्रजापति की प्रतिमा का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के आयोजन में डॉ. सुशील दक्ष, कविता दक्ष, धीरज प्रजापति, नीरज प्रजापति, लकी एडवोकेट, आर्यन आर्य, कुमारी आराध्या दक्ष, अंकुर, मुकेश, नरेंद्र, धर्मेंद्र, ओमपाल सिंह प्रजापति,सुशील एवं मनोज सहित समिति के अन्य सदस्यों का सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन मास्टर जलसिंह प्रजापति ने किया। समारोह के दौरान समाज के लोगों में उत्साह और एकजुटता का माहौल देखने को मिला। वक्ताओं ने समाज के बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने, राजनीति में भागीदारी बढ़ाने तथा समाज की प्रतिभाओं को उचित मंच एवं सम्मान दिलाने पर जोर दिया।

एसडीएम व सीओ ने रामडोल जुलूस के आयोजकों के साथ की बैठक

नगीना का बहुचर्चित रामडोल का जुलूस निकलेगा श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अगले दिन

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अगले दिन निकलने वाले पश्चिम उत्तर प्रदेश के बहुचर्चित रामडोल के जुलूस को शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए शनिवार को एसडीएम प्रिंस कुमार व सीओ राजेश सिंह सोलंकी ने जुलूस के आयोजकों वी अखाड़ेबाजों की बैठक बुलाकर विचार विमर्श किया। बैठक में थाना प्रभारी विकास कुमार भी मौजूद रहे। एसडीएम कंपाउंड स्थित सभागार में शनिवार को आयोजित बैठक में मुख्य आयोजक बड़ा मंदिर मुक्तेश्वरनाथ कमेटी के अध्यक्ष साहू सलिल अग्रवाल व प्रबंधक मुकेश अग्रवाल उर्फ आल्ले ने बताया कि रामडोल जुलूस में शामिल होने वाली सभी चार झांकियां, एक डोला डबल फाटक पार कोतवाली देहात रोड स्थित आदर्श मंडी समिति के सामने शाहू ट्रेडर्स से तैयार हो कर बैंड बाजे के साथ निकलती हैं और रेलवे स्टेशन चौक, गांधी मूर्ति पार्क, मंडी

मौलगंज, लुहारी सराय होती हुई बड़ा मंदिर पर पहुंचती हैं। जहां बड़ा मंदिर में विभिन्न अखाड़ों की पूजा के बाद रामडोल जुलूस विधिवत प्रारंभ होता है, जिसमें सबसे अंत में एक वाहन में पुजारी पंडित डॉ विपिन चंद्र त्रिपाठी भगवान श्री कृष्ण जी के डोले में (पालकी) को लेकर बैठते हैं। जुलूस बाजार गंज, बाजार बारादरी, जामा मस्जिद के नीचे से होते हुए मुख्य मार्गों से देर शाम बढ़ापुर रोड स्थित श्री कृष्ण गौशाला में ब्राह्मणी वाला तालाब पर जाकर संपन्न होता है। जहां भगवान श्री कृष्ण जी के पोतडे धोने की रस्म तथा अखाड़ों के उस्तादों व खलीफाओं को सम्मानित किया जाता है।आयोजकों ने रामडोल जुलूस मार्गों पर बिजली के तारों को ऊंचा कराने,अखाड़ों के निकलने के समय दुकानों के बाहर सामान न रखने देने, खन्ना मेडिकल स्टोर से बढ़ापुर तिराहे पर सरदार के खोखे तक सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रखने, खन्ना मेडिकल से गौशाला तक लाइट की उचित व्यवस्था करन तथा श्री कृष्ण गौशाला से जुलूस की वापसी के दौरान प्रत्येक झांकी व भगवान श्री कृष्ण के डोले(पालकी)के साथ दो दो सिपाहियों की ड्यूटी लगाने का सुझाव दिया। एसडीएम प्रिंस कुमार व सीओ राजेश सिंह सोलंकी ने सभी सुझावों पर अमल करने का आश्वासन देते हुए कहा कि रामडोल जुलूस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रहेगी और असामाजिक तत्व तो क्या परिंदा भी पर नहीं मार पाएगा।दोनों अधिकारियों ने कहा कि रामडोल जुलूस को शांतिपूर्वक संपन्न कराने की जिम्मेदारी हम सभी की है। बैठक में बड़ा मंदिर मुक्तेश्वरनाथ कमेटी के अध्यक्ष साहू सलिल अग्रवाल, प्रबंधक मुकेश अग्रवाल उर्फ आल्ले, राजकुमार विश्नोई, विभोर जैन, दीपक सोती, कुनाल वर्मा, यश वर्मा, गौरव सैनी, पप्पू सैनी, रोहन शर्मा, अरुण कुमार, अवि सैनी, आशु सैनी आदि अखाड़ों के खिलाड़ी, खलीफा व उस्ताद मौजूद रहे।

सड़क दुर्घटना तहसील कर्मी की मौत से शौक की लहर

तहसील में आयोजित शौक सभा के बाद शौक अवकाश

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के नगीना तहसील में नायव नाजिर (एडब्ल्यू वी एन) के पद पर कार्यरत पूनम कुमारी की उपचार के दौरान शुक्रवार को मुरादाबाद के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में हुई मृत्यु से तहसील में शौक की लहर दौड़ गई। जिसे लेकर मृतका की आत्मा की शांति के लिए एसडीएम व तहसीलदार की उपस्थिति में शौक सभा आयोजित कर शौक अवकाश कर दिया गया।

ज्ञात रहे कि धामपुर की टीचर कॉलोनी निवासी हरपाल सिंह की पुत्री पूनम कुमारी (44वर्ष) अपने पति संजीव कुमार के साथ 26 अगस्त को सुबह 9 बजे बाइक से नगीना ड्यूटी पर आ रही थी धामपुर नगीना रोड पर संजीव की बाइक माहे (नील गाय) से टकरा गई थी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई थी जिसमें पूनम के सिर में गंभीर चोट लग गई थी। जिसे धामपुर के एक नर्सिंग होम में प्राथमिक उपचार के बाद पूनम को मुरादाबाद रेफर कर दिया गया था वहां एक प्राइवेट हॉस्पिटल में पूनम का इलाज चल रहा था। शुक्रवार को पूनम की मुरादाबाद में एक निजी हॉस्पिटल में मृत्यु हो गई।

पुनम की मृत्यु का समाचार मिलते ही यहां तहसील कर्मियों में शोक व्याप्त हो गया। एसडीएम नगीना प्रिंस कुमार के आदेश पर तहसील मिटिंग हाल में सभी कर्मियों ने दो मिनट का मौन रखकर मृतका पूनम की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई उसके बाद शौक अवकाश घोषित किया गया।

नजीबाबाद में बैटरा चोर गिरोह का खुलासा 11 बैटरे और कार बरामद

नजीबाबाद (सब का सपना):- नजीबाबाद पुलिस ने बैटरा चोर गिरोह का पदार्फाश करते हुए तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी के 11 बैटरे और वारदात में इस्तेमाल हुई होंडा अमेज कार बरामद की है। पुलिस के अनुसार कोतवाली रोड स्थित पेट्रोल पंप यार्ड में खड़े ट्रकों से 24 अगस्त की रात बैटरे चोरी हुए थे। पीड़ित राहुल कुमार सिंह की तहरीर पर इठर की धारा 305 में मुकदमा दर्ज किया गया था। जांच के

दौरान पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर तीनों आरोपियों को दबोचा। पकड़े गए आरोपियों की पहचान मो. नदीम निवासी पिष्ठपुरी नजीबाबाद, अज्जू निवासी जोगीपुरा नगीना देहात और अजीम निवासी सुंदरियान रसूलपुर नगीना देहात के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने 12 बैटरे चुराए थे, जिसमें एक टूट गया था। 6 बैटरे 12,500 रुपये में बेच दिए थे और बाकी 5 बेचने बिजनौर जा रहे थे। पुलिस ने बरामदगी के बाद मुकदमे में धारा 317(2) और 317(5) की बढ़ोतरी की है। पुलिस ने बताया कि तीनों पर मुजफ्फरनगर व बिजनौर में पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं।

स्योहारा बार एसोसिएशन सीनियर्स की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न,अधिवक्ता एकता एवं सम्मान पर दिया जोर

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- बार एसोसिएशन सीनियर्स की एक महत्वपूर्ण बैठक आज निर्धारित स्थान पर आयोजित की गई। बैठक में अधिवक्ताओं के हितों, बार की गरिमा, आपसी एकता, अनुशासन तथा अधिवक्ताओं से संबंधित विभिन्न समस्याओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष एडवोकेट महफूज चौधरी ने की। इस अवसर पर उपाध्यक्ष विश्वनाथ शर्मा एडवोकेट, संयुक्त सचिव शाहिद मलिक एडवोकेट, प्रवक्ता शुभम कौशिक एडवोकेट तथा कोषाध्यक्ष कलीम अहमद एडवोकेट सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे। बैठक में सैयद मोहम्मद वासिल एडवोकेट, तुफैल कुरैशी अहमद एडवोकेट, तुषार रस्तोगी एडवोकेट, शबाहत हुसैन एडवोकेट, शान

एडवोकेट, एहसन चौधरी एडवोकेट, शमशाद अहमद एडवोकेट, अदनान शेख एडवोकेट, जफर अहमद एडवोकेट, अमित रस्तोगी एडवोकेट, सुशांत मेहरा एडवोकेट, मनीष वर्मा एडवोकेट, नुसरत उल्ला खान एडवोकेट, अनुराग भटनागर एडवोकेट, बलराज सिंह एडवोकेट, कमरू जमा एडवोकेट, फखरे आलम एडवोकेट, राशिद एडवोकेट, रईस अहमद एडवोकेट तथा संजय एडवोकेट सहित अन्य अधिवक्ता एवं वक्तागण उपस्थित रहे। बैठक में वक्ताओं ने अपने महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत करते हुए कहा कि अधिवक्ता समाज की मजबूती के लिए आपसी भाईचारा, सम्मान और एकता अत्यंत आवश्यक है। वरिष्ठ अधिवक्ताओं का सम्मान तथा कनिष्ठ अधिवक्ताओं का मार्गदर्शन बार की स्वस्थ परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। सभी अधिवक्ताओं ने बार एसोसिएशन के हित में एकजुट होकर कार्य करने तथा अधिवक्ताओं की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर संबंधित प्रशासनिक एवं न्यायिक अधिकारियों के समक्ष उचित और सम्मानजनक तरीके से प्रस्तुत करने पर जोर दिया। बैठक में यह संकल्प व्यक्त किया गया कि बार की गरिमा, अधिवक्ताओं के सम्मान और उनके हितों की रक्षा के लिए सभी अधिवक्ता आपसी मतभेदों को दूर रखते हुए संगठन की मजबूती के लिए एकजुट होकर कार्य करेंगे। अंत में अध्यक्ष एडवोकेट महफूज चौधरी ने बैठक में उपस्थित सभी अधिवक्ताओं का आभार व्यक्त किया और विश्वास जताया कि सभी के सहयोग से स्योहारा बार एसोसिएशन को और अधिक मजबूत एवं प्रभावशाली बनाया जाएगा।

नरेश कुमार पर बसपा ने फिर जताया भरोसा, दोबारा चुने गए विधानसभा अध्यक्ष

नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- बहुजन समाज पार्टी ने अपने संगठन में बड़ा फेरबदल करते हुए नरेश कुमार को दोबारा नहटौर विधानसभा अध्यक्ष नियुक्त किया है। पार्टी नेतृत्व ने उच्च दिशा-निदेशों के अनुसार यह फैसला लिया है। नरेश कुमार लंबे समय से इस पद की जिम्मेदारी संभाल रहे थे और क्षेत्र में उन्हें उनकी साफ-सुथरी छवि और बेहतरीन कार्यशैली के लिए जाना जाता है।बताया जा रहा है कि पद से हटाए जाने के बाद उनके जाने से

विधानसभा क्षेत्र का काम सुचारू रूप से नहीं चल पा रहा था। व्यवस्था को पटरी पर लाने और पार्टी के काम को गति देने के लिए बसपा नेतृत्व ने एक बार फिर नरेश कुमार के अनुभव पर भरोसा जताया है। मुरादाबाद में बहुजन समाज पार्टी के मंडल कार्यालय पर मंडल कोऑर्डिनेटर और बड़े पदाधिकारियों की मौजूदगी में उन्हें फूल-माला पहनाकर आधिकारिक तौर पर यह जिम्मेदारी सौंपी गई।नरेश कुमार के दोबारा अध्यक्ष चुने जाने की खबर मिलते ही उनके समर्थकों और पार्टी कार्यकताओं में भारी उत्साह है। कार्यकताओं का मानना है कि नरेश कुमार के वापस आने से क्षेत्र में पार्टी संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी।

नजीबाबाद में सड़क हादसे में मां के बाद 7 वर्षीय मासूम बेटी ने भी तोड़ा दम, रक्षाबंधन की खुशियां मातम में बदलीं

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- रक्षाबंधन का पर्व एक परिवार के लिए जिंदगी भर का दर्द दे गया। ससुराल से घर लौट रहे परिवार की बाइक हादसे का शिकार हो गई, जिसमें पहले मां और अब इलाज के दौरान सात वर्षीय मासूम बेटी की भी मौत हो गई। 24 घंटे के भीतर एक ही परिवार से दो मौतों के बाद परिजनों में चीख-पुकार मची है और गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। घटना 29 अगस्त की शाम करीब 5 बजे की है। नजीबाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम महावतपुर बिल्लौच निवासी मुकेश (35 वर्ष) अपनी पत्नी रचना (30 वर्ष), पुत्र प्रत्यक्ष (14 वर्ष)

और पुत्री आराध्या (7 वर्ष) के साथ थाना किरतपुर के ग्राम शेरपुर (ससुराल) से रक्षाबंधन मनाकर बाइक से अपने गांव लौट रहे थे। ग्राम दाउदपुर नन्हेड़ा के पास पहुंचते ही आगे चल रही रोडवेज बस के चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए। इसके चलते पीछे आ रही दो बाइकें आपस में टकरा गईं। हादसे में मुकेश, उनकी पत्नी और दोनों बच्चे सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने रचना (30) को मृत घोषित कर दिया था। वहीं गंभीर रूप से घायल मासूम आराध्या को बिजनौर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान 29-30 अगस्त की दरमियानी रात उसने भी दम तोड़ दिया। थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि सड़क दुर्घटना में मां-बेटी की मौत हुई है। परिजनों की ओर से 30 अगस्त को सुबह करीब 10 बजे लिखित तहरीर प्राप्त हुई है। तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

ग्राम चौपाल में दिखा ग्रामीणों का आक्रोश, समस्याओं का निस्तारण न होने पर जताई नाराजगी

जहानाबाद/फतेहपुर (सब का सपना):- जनपद के अमौली विकास खंड के अंतर्गत ग्राम सभा पपरेंदा में शनिवार को खंड विकास अधिकारी सुरेश कुमार शिवहरे की मौजूदगी में ग्राम चौपाल का आयोजन कर ग्रामीणों की जनसमस्याएं सुनी गईं। चौपाल में सड़क, साफ-सफाई, पेयजल आपूर्ति, जलभराव और बजबजाती नालियों समेत विभिन्न समस्याओं को लेकर सैकड़ों ग्रामीणों ने जमकर नाराजगी जताई। ग्रामीणों का आरोप था कि गांव की समस्याओं को लेकर कई बार शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन इसके बावजूद समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो रहा है। इससे ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे, जिससे देखते ही देखते शिकायतों का अंबार लग गया। ग्रामीणों ने सड़क की

बदहाल स्थिति, गांव में साफ-सफाई की व्यवस्था, पेयजल की समस्या तथा नालियों की दुर्दशा का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। ग्रामीणों ने कहा कि नालियों में गंदा पानी और कचरा जमा होने से दुर्गंध के साथ-साथ संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बना हुआ है। समस्याओं का तत्काल समाधान न होने को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश चौपाल में साफ दिखाई दिया।

स्थिति को देखते हुए संबंधित अधिकारियों को ग्रामीणों को समझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। माहौल को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था के लिए इलाके के प्रशासन को भी बुलाना पड़ा। ग्राम चौपाल में खंड विकास अधिकारी अमौली सुरेश कुमार शिवहरे, ग्राम सचिव विनय बाजपेई, ग्राम प्रधान जयराम कुशवाहा, भाजपा मंडल अध्यक्ष जहानाबाद, पंचायत सहायक, आंगनबाड़ी कार्यकत्री, समाज कल्याण विभाग के अधिकारी समेत अन्य कर्मचारी एवं सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

प्रयागराज में फिर बढ़ा गंगा-यमुना का जलस्तर, 24 घंटे में एक मीटर तक की बढ़ोतरी

एजेंसी

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश के जनपद प्रयागराज में गंगा और यमुना के जलस्तर में एक बार फिर तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की गई है। जिला प्रशासन की ओर से शनिवार सुबह आठ बजे जारी जलस्तर की रिपोर्ट के अनुसार, यमुना के नैनी और गंगा के छतनाग में पिछले 24 घंटे के दौरान करीब एक मीटर की वृद्धि हुई है। हालांकि, अभी सभी तटबंध सुरक्षित बताए गए हैं। जिला प्रशासन के अनुसार यमुना नदी का जलस्तर नैनी में 80.68 मीटर दर्ज किया गया। पिछले 24 घंटे में इसमें 103 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान क्षेत्र में 60 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। गंगा नदी का जलस्तर फाफामऊ में 80.69 मीटर रहा। यहां पिछले 24 घंटे में 20 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गई और 16.8 मिलीमीटर बारिश हुई। इसी तरह छतनाग में गंगा का जलस्तर 80.16 मीटर दर्ज किया गया। यहां 24 घंटे में जलस्तर 98 सेंटीमीटर बढ़ा है। छतनाग क्षेत्र में 20.4 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। वहीं, एसटीपी बक्सी बांध क्षेत्र में जलस्तर 80.86 मीटर दर्ज किया गया, जिसमें पिछले 24 घंटे में 96 सेंटीमीटर की वृद्धि हुई है। जिला प्रशासन के मुताबिक गंगा और यमुना के जलस्तर में बढ़ोतरी पर लगातार नजर रखी जा रही है। संबंधित विभागों और अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश हैं। प्रशासन ने बताया कि जिले के सभी तटबंध फिलहाल सुरक्षित हैं।

वाराणसी: कार को ओवरटेक करते समय डिवाइडर से टकराई बाइक, एक की मौत, दो घायल

एजेंसी

वाराणसी । चौबेपुर थाना क्षेत्र के बनकट गांव के पास शुक्रवार देर शाम कार को ओवरटेक करते समय बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। इससे बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। घायलों को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। सारनाथ के रसूलगढ़ गांव निवासी अजय पटेल (24 वर्ष) अपने दोस्त शिवम पटेल, अनुराग पटेल के साथ बाइक से राखी बंधवाकर मार्कंडेय महादेव मंदिर में जलाभिषेक करने गया था। जलाभिषेक और दर्शन के बाद तीनों बाइक से लौट रहे थे। बनकट गांव के समीप बाइक चला रहे अनुराग ने सामने चल रही कार को ओवरटेक करने का प्रयास किया। उस दौरान बाइक की रफ्तार तेज थी। इसी दौरान बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में तीनों बाइक सवार घायल हो गए। घटनास्थल पर जुटे लोगों ने तत्काल घायलों को सीएचसी पहुंचाया। चिकित्सकों ने अजय को मृत घोषित कर दिया। वहीं अनुराग और शिवम को प्राथमिक उपचार के बाद पंडित दीनदयाल उपाध्याय जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

रक्षाबंधन पर रोडवेज बसों में 21 हजार से अधिक महिलाओं ने की मुफ्त यात्रा, रही भीड़

एजेंसी

वाराणसी । रक्षाबंधन के अवसर पर राज्य सड़क परिवहन निगम (रोडवेज) की ओर से महिलाओं को दी गई मुफ्त बस यात्रा सुविधा का व्यापक असर देखने को मिला। दो दिनों में वाराणसी क्षेत्र से संचालित रोडवेज बसों में कुल 31,685 यात्रियों ने इस सुविधा का लाभ उठाया। इनमें 21,181 महिलाएं और उनके साथ यात्रा करने वाले 10,504 अटेंडेंट शामिल रहे। रक्षाबंधन पर घर जाने और त्योहार मनाने के लिए बड़ी संख्या में यात्रियों के निकलने से रोडवेज बसों में भीड़ बढ़ गई। बुधवार रात से ही बस अड्डों पर यात्रियों की संख्या बढ़ने लगी थी। इसका असर खासतौर पर गोरखपुर रूट की बसों में देखने को मिला, जहां महिलाओं को भीड़ के कारण काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई रूटों पर सीट के लिए मारामारी गाजीपुर और जौनपुर जाने वाली बसों में भी बड़ी संख्या में यात्रियों के पहुंचने से महिलाओं को बैठने की जगह नहीं मिल पाई। कई महिलाओं को मजबूरी में निजी बसों से सफर करना पड़ा। मिजार्पुर और प्रयागराज जाने वाली बसों में भी यात्रियों की संख्या सामान्य दिनों की तुलना में काफी अधिक रही। विंध्याचल जाने वाली बसों में भी कई महिलाओं को जगह नहीं मिल सकी। त्योहार के दौरान बसों में क्षमता से अधिक यात्रियों के पहुंचने के कारण कई रूटों पर भीड़ की स्थिति बनी रही। अतिरिक्त बसों और फेरों की व्यवस्था यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए रोडवेज की ओर से अतिरिक्त बसों और फेरों की व्यवस्था की गई थी। अधिकारियों का कहना है कि त्योहार के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने का प्रयास किया गया। रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक परशुराम पांडेय ने बताया कि विभाग का पूरा प्रयास रहा कि किसी भी महिला यात्री को असुविधा न हो। अतिरिक्त बसों और फेरों की व्यवस्था कर यात्रियों को समय पर उनके गंतव्य तक पहुंचाने की कोशिश की गई। रक्षाबंधन के चलते सामान्य दिनों की तुलना में यात्रियों की संख्या में भारी इजाफा हुआ। मुफ्त यात्रा सुविधा का लाभ लेने वाली महिलाओं की बड़ी संख्या से रोडवेज बसों में भीड़ बढ़ी, हालांकि विभाग ने अतिरिक्त बसों के संचालन के जरिए यात्रियों को राहत देने का प्रयास किया।

पत्नी संग काशी पहुंचे दक्षिण भारत के मशहूर अभिनेता पोसानी कृष्णा मुरली, रिक्शे पर घूमीं गलियां, खरीदी बनारसी साड़ी

एजेंसी

वाराणसी। दक्षिण भारतीय सिनेमा के चर्चित अभिनेता, पटकथा लेखक और निर्देशक पोसानी कृष्णा मुरली इन दिनों काशी प्रवास पर हैं। वह अपनी पत्नी कुसुमा लता के साथ वाराणसी पहुंचे। काशी प्रवास के दौरान उन्होंने बाबा विश्वनाथ के दरबार में पहुंचकर दर्शन-पूजन किया। इससे पहले दोनों ने रिक्शे पर सवार होकर काशी की पुरानी गलियों और बाजारों की सैर की। इस दौरान उन्होंने स्थानीय बाजार में खरीदारी भी की। पोसानी कृष्णा मुरली ने पत्नी के लिए वाराणसी की प्रसिद्ध बनारसी साड़ी खरीदी। साड़ी की बुनाई और उसकी खासियतों के बारे में भी उन्होंने जानकारी ली। खरीदारी के बाद दोनों ने रिक्शे से काशी की गलियों का भ्रमण किया। पुराने मकानों, संकरी गलियों और बाजारों के बीच रिक्शे की सवारी करते हुए उन्होंने काशी की पारंपरिक संस्कृति को करीब से महसूस किया। रिक्शे की सवारी के बाद उन्होंने रिक्शा चालक को 300 रुपये दिए। बाबा विश्वनाथ के दरबार में पहुंचे काशी की गलियों और बाजारों का भ्रमण करने के बाद पोसानी कृष्णा मुरली पत्नी के साथ श्री काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने विधिवत बाबा विश्वनाथ का दर्शन-पूजन कर आशीर्वाद लिया। मंदिर में दर्शन के बाद उन्होंने काशी की बदलती तस्वीर और विकास कार्यों की भी सराहना की। अभिनेता ने कहा कि काशी उन्हें बेहद पसंद है। वह इससे पहले भी फिल्म के सिलसिले में वाराणसी आ चुके हैं, लेकिन इस बार शहर का स्वरूप उन्हें काफी बदला हुआ नजर आया। उन्होंने कहा कि पहले की तुलना में वाराणसी में काफी विकास हुआ है और शहर का वातावरण भी उन्हें बेहद अच्छा लगा। उन्होंने काशी में बार-बार आने और यहां समय बिताने की इच्छा भी जताई। 150 से अधिक फिल्मों के लिए किया लेखन पोसानी कृष्णा मुरली तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के बहुआयामी कलाकारों में गिने जाते हैं। अभिनय के साथ वह पटकथा लेखन, निर्देशन और निर्माण के क्षेत्र में भी सक्रिय रहे हैं।

अयोध्या में 18 करोड़ से बनेगा मल्टीपर्पज स्पोर्ट्स कांप्लेक्स खेल दिवस पर महापौर व नगर आयुक्त ने किया भूमि पूजन व शिलान्यास, एक साल में पूरा होगा निर्माण

एजेंसी

अयोध्या । उत्तर प्रदेश की रामनगरी अयोध्या में खिलाड़ियों को आधुनिक एवं विश्वस्तरीय खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक और कदम बढ़ाया गया है। वशिष्ठ कुंड वार्ड में 17 करोड़ 83 लाख 81 हजार रुपये की लागत से मल्टीपर्पज स्पोर्ट्स कांप्लेक्स का निर्माण कराया जाएगा। करीब 4684 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में बनने वाले इस स्पोर्ट्स कांप्लेक्स का निर्माण एक वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। शनिवार को खेल दिवस के अवसर पर महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी और नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने वैदिक विधि-विधान से भूमि पूजन कर स्टेडियम का शिलान्यास किया। इस अवसर पर महापौर ने कहा कि योगी सरकार में खेल सुविधाओं के

विकास पर लगातार काम किया जा रहा है। अयोध्या में आधुनिक एवं विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त स्पोर्ट्स कांप्लेक्स बनने से शहर के खिलाड़ियों को बेहतर मंच मिलेगा और नई प्रतिभाएं उभरकर सामने आएंगी। उन्होंने कहा कि कक्षा से अधिक व्यावहारिक ज्ञान खेल के मैदान में मिलता है। खेल व्यक्ति में अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करता है। नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने कहा कि मेजर ध्यानचंद की जयंती और खेल दिवस पर खिलाड़ियों के लिए इससे बड़ी सौगात और कुछ नहीं हो सकती। यह स्पोर्ट्स कांप्लेक्स अयोध्या के युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर देगा।कार्यक्रम का संचालन अपर नगर आयुक्त डॉ. नागेंद्र नाथ ने किया। इस मौके पर उपसभापति संतोष सिंह, पार्षद रंजना यादव, विनय जायसवाल, रमाशंकर निषाद, सूर्यकुमार तिवारी, चंदन सिंह, हरिश्चंद्र गुप्ता, अभिनव पांडेय, अजय पांडेय, ज्ञान केसरवानी, सुशील मिश्र बबलू, दीप कुमार, सुल्तान अंसारी, सुफियान, भाजपा नेता हेमंत जायसवाल, आलोक द्विवेदी, रवि सोनकर, दिव्य प्रकाश तिवारी, इंजीनियर रवि तिवारी, मधुकरिया संत एमबी दास, धर्मेंद्र सिंह, व्यापारी नेता अंजनी गर्ग, खेल जगत के रोहित शर्मा, राहुल सिंह, योगेश्वर सिंह, सुनील अवस्थी, श्रीनिवास शास्त्री, अजीत सिंह, क्रीड़ा अधिकारी अमित सक्सेना आदि मौजूद रहे। नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश पांडेय ने बताया कि मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजना के तहत बनने वाला स्पोर्ट्स कांप्लेक्स 4684 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में विकसित किया जाएगा। इसमें भवन का निर्माण 3064 वर्ग मीटर में होगा। भवन में 1372 वर्ग मीटर का बेसमेंट, 1664 वर्ग मीटर का भूतल तथा करीब 789 वर्ग मीटर में प्रथम एवं द्वितीय तल का निर्माण होगा। करीब 91 वर्ग मीटर का टेरेस भी विकसित किया जाएगा। स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में बास्केटबॉल कोर्ट, बैडमिंटन कोर्ट, कुश्ती कोर्ट, जिम्नेशियम, टेबल टेनिस हॉल, बहुउद्देशीय हॉल, कॉन्फ्रेंस रूम, कैफेटेरिया एवं किचन, कोच रूम, कार्यालय, शौचालय, लिफ्ट और सीढ़ियों की सुविधा होगी। परिसर में पार्किंग की भी व्यवस्था रहेगी, जहां चार पहिया और दोपहिया वाहन खड़े किए जा सकेंगे।खेल जगत की 10 हस्तियों का सम्मान कार्यक्रम के दौरान खेल के क्षेत्र में योगदान देने वाली 10 खेल प्रतिभाओं एवं प्रशिक्षकों को सम्मानित किया गया। इनमें बास्केटबॉल कोच चंदेश्वर पांडेय, वॉलीबॉल के शिवेंद्र सिंह एवं अनुज मिश्रा, कबड्डी के मुकेश निषाद, एथलेटिक्स के गोलू मौर्य, क्रिकेट के रंगेशमणि त्रिपाठी, बैडमिंटन के अनूप दुबे, हॉकी के राजेश श्रीवास्तव, वॉलीबॉल के सालिकराम यादव और एथलेटिक्स की नीतू गुप्ता शामिल रहीं। इसके अलावा वशिष्ठ फाउंडेशन की ओर से साइकिलिंग के क्षेत्र में प्रतिभा दिखा रही 15 वर्षीय किशोरी बेबी को स्वर्गीय अमित सिंह अश्मित सम्मान प्रदान किया गया। सम्मान स्वरूप फाउंडेशन की ओर से उसे 11 हजार रुपये का चेक दिया गया।

कानपुर में गंगा का जलस्तर दो सेंटीमीटर घटा, चेतावनी स्तर से ऊपर पानी

एजेंसी

कानपुर । कानपुर में गंगा के जलस्तर में मामूली गिरावट दर्ज की गई है, लेकिन कानपुर बैराज पर पानी अभी भी चेतावनी स्तर से ऊपर बना हुआ है। बैराज के अपस्ट्रीम में जलस्तर 114.30 मीटर और डाउनस्ट्रीम में 114.07 मीटर दर्ज किया गया। बैराज से 3,70,392 क्यूसेक पानी का बहाव रहा। पिछले दिन के मुकाबले अपस्ट्रीम जलस्तर में दो सेंटीमीटर की कमी आई है। शुक्रवार को यह 114.32 मीटर था। वहीं डाउनस्ट्रीम जलस्तर 114.11 मीटर से घटकर 114.07 मीटर हो गया। पानी के डिस्चार्ज में भी 2,238 क्यूसेक की कमी दर्ज की गई है। इसके बावजूद बैराज पर जलस्तर चेतावनी स्तर 114 मीटर से ऊपर बना हुआ है, जबकि खतरे का निशान 115 मीटर है। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने गंगा के जलस्तर और तटवर्ती इलाकों की लगातार निगरानी के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्कता बनाए रखने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा है। प्रशासन की टीमें जलस्तर पर लगातार नजर रख रही हैं। शुक्लागंज में गंगा का जलस्तर 112.790 मीटर दर्ज किया गया है।

यहां चेतावनी स्तर 113 मीटर और खतरे का निशान 114 मीटर है। वहीं हरिद्वार बैराज से 67,871 क्यूसेक और नरौरा बैराज से 77,819 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। कानपुर बैराज पर खतरे के निशान 115 मीटर तक पहुंचने पर 5,44,373 क्यूसेक डिस्चार्ज निर्धारित है। फिलहाल जलस्तर में मामूली गिरावट हुई है, लेकिन चेतावनी स्तर से ऊपर पानी होने के कारण प्रशासन तटवर्ती क्षेत्रों में निगरानी बनाए हुए है।

वाराणसी में गंगा नदी फिर उफान पर,चेतावनी बिंदु की ओर बढ़ा जल स्तर

एजेंसी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी सहित आसपास के जनपदों में कुछ दिनों तक जल स्तर में कमी आने के बाद गंगा नदी एक बार फिर उफान पर है। पहाड़ों और मैदानी इलाकों में हो रही लगातार बारिश का असर गंगा और उसकी सहायक नदियों के जलस्तर पर साफ दिखाई देने लगा है। वाराणसी में शनिवार को गंगा का जलस्तर तेजी से अब चेतावनी बिंदु की ओर बढ़ रही हैं। गंगा के बढ़ते जलस्तर के साथ सहायक नदी वरुणा का पानी भी तटवर्ती इलाकों में पहुंचने लगा है, जिससे लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। केंद्रीय जल आयोग के राजघाट स्थित गेज स्टेशन के अनुसार शनिवार सुबह 10 बजे गंगा का जलस्तर 68.10 मीटर दर्ज किया गया। इस दौरान जलस्तर करीब चार सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रहा था। शुक्रवार सुबह आठ बजे गंगा का जलस्तर 67.76 मीटर था और उस समय बढ़ाव की गति करीब आधा सेंटीमीटर प्रति घंटे थी। बनारस में गंगा का चेतावनी बिंदु 70.26 मीटर, जबकि खतरे का निशान

71.26 मीटर है। केंद्रीय जल आयोग और जिला प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। गंगा के जलस्तर में लगातार उतार-चढ़ाव के बावजूद शहर के सभी 84 घाटों के संपर्क मार्ग पहले से ही जलमग्न हैं। दशाश्वमेध और प्राचीन शीतलाघाट पर होने वाली विश्वप्रसिद्ध शाम की गंगा आरती अब परिवर्तित स्थानों और छतों पर कराई जा रही है। जिला प्रशासन ने नदी के निचले इलाकों और तटवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से बाढ़ प्रभावित क्षेत्र छोड़कर राहत चौकियों में जाने की अपील की है। गंगा का पानी बढ़ने से अस्सी, तुलसी, शिवाला, केदार, हरिश्चंद्र, पाण्डेय, मुंशी, अहिल्याबाई, शीतला, प्राचीन दशाश्वमेध, दशाश्वमेध, त्रिपुरा भैरवी और ललिता घाट पर श्रद्धालुओं की परेशानी बढ़ गई है। गंगा स्नान के लिए आने वाले लोगों को पानी बढ़ने के कारण दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट पर शवदाह के लिए भी लोगों को इंतजार करना पड़ रहा है। मणिकर्णिका घाट के ऊपरी प्लेटफॉर्म और हरिश्चंद्र घाट की गलियों में शवदाह किया जा रहा है। गंगा में तेज बहाव और बढ़ते जलस्तर को देखते हुए नौकायन भी बंद कर दिया गया है। नौकायन बंद होने से नाविकों की रोजी-रोटी प्रभावित अहिल्याबाई घाट के नाविक रतन और राकेश उर्फ पप्पू ने बताया कि भादो माह की शुरूआत हो गई है और इस समय बाढ़ व बारिश का मौसम रहता है। और रोजी-रोटी लगभग ठप हो जाती है। घाटों पर छतरियां लगाकर कर्मकांड कराने वाले पंडों को भी इस स्थिति में परेशानी उठानी पड़ रही है। इसके बावजूद सभी गंगा के शांत होने की प्रार्थना कर रहे हैं। वरुणा भी तटवर्ती इलाकों में बढ़ी गंगा के बढ़ते जलस्तर का असर उसकी सहायक नदी वरुणा पर भी पड़ा है। वरुणा का पानी कॉरिडोर को पार कर तटवर्ती क्षेत्रों की ओर बढ़ने लगा है। सरैया, नक्खीघाट, ढेलवरिया, हुकुलगंज, बघवानाला और पिपरहवाघाट के आसपास के तटवर्ती इलाकों में बाढ़ का पानी पहुंचने लगा है। इससे इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है। प्रशासन और केंद्रीय जल आयोग की निगरानी के बीच लोगों की नजर अब गंगा के जलस्तर और बढ़ाव की रफ्तार पर टिकी है।

छात्र की मौत को लेकर परिजनों का कोतवाली में धरना, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

एजेंसी

फतेहपुर । उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में शनिवार को छात्र की मौत के बाद पुलिस की कार्यशैली से नाराज परिजनों ने सदर कोतवाली में धरना दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच कर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। सरस्वती बाल विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के कक्षा बारह के छात्र तेजस द्विवेदी (17) की मौत के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया है। आज सुबह परिजनों के द्वारा सदर कोतवाली में धरना-प्रदर्शन और हंगामें के बाद पुलिस ने स्कूल प्रबंधक राकेश त्रिवेदी और प्रधानाचार्य सक्षम त्रिवेदी के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। मुकदमे की कॉपी मिलने के बाद परिजन शांत हुए। सदर कोतवाली क्षेत्र के सिविल लाइन मोहल्ला स्थित पुलिस अधीक्षक आवास के पास रहने वाले दिलीप द्विवेदी का पुत्र तेजस सरस्वती बाल इंटर कॉलेज में कक्षा

बारह का छात्र था। परिजनों के अनुसार, बुधवार को त्रैमासिक परीक्षा के दौरान नकल के आरोप में कॉलेज प्रशासन ने तेजस की पिटाई की, 1500 रुपये जुमार्ना लगाया और रिस्ट्रिकेट कर घर जाने को कहा। पुलिस की लापरवाही से नाराज मृतक की मां नीलम द्विवेदी परिजनों के साथ सदर कोतवाली पहुंची। आरोप लगाया कि घटना के दूसरे दिन दोपहर में ही पुलिस को तहरीर दी गई थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। जिसे लेकर पुलिस से तीखी नोकझोंक हुई, जिसके बाद परिजन कोतवाली परिसर में ही धरने पर बैठ गए और मुकदमा दर्ज होने तक हटने से इनकार कर दिया। आखिरकार मां की तहरीर पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की। सदर कोतवाल हेमंत मिश्रा ने बताया कि तहरीर के आधार पर गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

गंगा के जलस्तर में तेजी से वृद्धि, 3 सेंटीमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हो रही बढ़ोत्तरी, चेतावनी बिंदु से

एजेंसी

वाराणसी। गंगा के जलस्तर में एक बार फिर तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की ओर से शनिवार की दोपहर 12 बजे जारी रीडिंग के अनुसार वाराणसी के राजघाट गेज साइट पर गंगा का जलस्तर 68.16 मीटर दर्ज किया गया। जलस्तर फिलहाल तीन सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रहा है, जिससे नदी किनारे रहने वाले लोगों और प्रशासन की चिंता बढ़ गई है। सीडब्ल्यूसी के आंकड़ों के मुताबिक राजघाट पर गंगा का चेतावनी स्तर 70.262 मीटर निर्धारित है, जबकि खतरे का निशान 71.262 मीटर है। शनिवार दोपहर दर्ज जलस्तर खतरे के

निशान से करीब 3.10 मीटर नीचे है। वहीं चेतावनी बिंदु से यह करीब 2.10 मीटर नीचे है। हालांकि जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी को देखते हुए नदी के तटवर्ती क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ा दी गई है। वर्तमान बढ़ोतरी की रफ्तार तीन सेंटीमीटर प्रति घंटे बनी रहती है तो आने वाले समय में जलस्तर में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। ऐसे में घाटों, निचले इलाकों और नदी के आसपास के क्षेत्रों में प्रशासन तथा संबंधित विभागों की निगरानी महत्वपूर्ण हो गई है। गंगा के जलस्तर में बढ़ाव का असर वाराणसी के विभिन्न घाटों और तटीय इलाकों में भी दिखाई दे सकता है।

मंदाकिनी का जलस्तर बढ़ा, चित्रकूट जाने वाले मार्ग प्रभावित, पुलिस एडवाइजरी जारी, निदेशों का पालन करें

एजेंसी

बांदा । चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का जलस्तर बढ़ने और नालों में तेज बहाव के कारण बांदा से चित्रकूट जाने वाले प्रमुख मार्ग जैसे बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, बांदा-अतर्रा-चित्रकूट और बिसंडा मार्ग प्रभावित हो गए हैं। इसे देखते हुए बांदा पुलिस ने एडवाइजरी जारी कर लोगों से अति आवश्यक कार्य के बिना चित्रकूट की यात्रा न करने की अपील की है। मंदाकिनी नदी का जलस्तर बढ़ने और नदी-नालों में तेज जलप्रवाह के चलते बांदा से चित्रकूट जाने वाले कई मार्गों पर यातायात प्रभावित हुआ है। आमजन की सुरक्षा और यातायात की सुगमता को देखते हुए पुलिस ने एडवाइजरी जारी कर लोगों से अति आवश्यक कार्य को छोड़कर चित्रकूट की अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है। पुलिस के अनुसार बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे से बांदा-अतर्रा-चित्रकूट मार्ग और बांदा-बिसंडा मार्ग पर चित्रकूट की ओर यातायात प्रभावित है। इन मार्गों पर अनावश्यक यात्रा नहीं करने की सलाह दी गई है। चित्रकूट से प्रयागराज की ओर जाने वाले वाहन बांदा-वेंदाघाट-फतेहपुर अथवा बांदा-चिल्ला-फतेहपुर मार्ग का प्रयोग कर सकते हैं। इसी तरह बांदा के तिंदवारी-बबेरू मार्ग पर भी नदी-नालों में तेज जलप्रवाह के कारण यातायात प्रभावित है। रपटों और तेज बहाव वाले रास्तों पर न जाएं पुलिस ने लोगों से इस मार्ग पर भी अनावश्यक आवागमन से बचने को कहा है। पुलिस ने अपील की है कि भारी बारिश और बढ़ते जलप्रवाह को देखते हुए बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों और रपटों पर वाहन लेकर न जाएं। तेज बहाव वाले पानी को पार करने का जोखिम बिल्कुल न उठाएं। बैरिकेडिंग और पुलिस-प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करें। बाढ़ प्रभावित इलाकों में रील, वीडियो या फोटो बनाने के लिए पानी में उतरने से भी बचें। यात्रा से पहले मार्ग की स्थिति की जानकारी लेने और आवश्यकता पड़ने पर वैकल्पिक मार्ग अपनाने की सलाह दी गई है। पुलिस ने कहा कि जलभराव और बाढ़ की स्थिति में जल्दबाजी न करें और अनावश्यक यात्रा से बचते हुए सुरक्षित तरीके से गंतव्य तक पहुंचें।

पिपंल्स, फटी एड़ियां और होंठों का कालेपन दूर करने में फायदेमंद है अनानास

अनानास एक ऐसा फल है, जो खाने में स्वादिष्ट और सेहत के लिए फायदेमंद होने के साथ- साथ आपकी त्वचा को स्वस्थ एवं सुंदर बनाए रखने में भी मदद कर सकता है। जी हां शायद त्वचा पर अनानास का इस्तेमाल करना कोई जानता हो, लेकिन पौष्टिक तत्वों से भरपूर अनानास को सिर्फ खाया या जूस बनाकर पिया ही नहीं जा सकता, बल्कि अपनी त्वचा एवं बालों पर मास्क बनाकर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। आइए यहां हम आपको त्वचा पर अनानास के इस्तेमाल करने का तरीका बता रहे हैं, जो कील-मुंहासों से लेकर आपकी फटी एड़ियों को सही करने का भी बेहतर विकल्प हो सकता है। अनानास में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और मिनरल्स त्वचा के लिए फायदेमंद होते हैं। इसके अलावा इसमें विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो त्वचा को स्वस्थ और जवां बनाए रखने में मदद करता है।

पिंपल्स के लिए

पिंपल्स की समस्या से लगभग हर कोई परेशान रहता है। फर्क सिर्फ इतना है कि कुछ लोगों के चेहरे पर कील-मुंहासे ज्यादा होते हैं और कुछ के कभी-कभार। चेहरे पर पिंपल्स न केवल आपकी सुंदरता पर दाग के समान होते हैं, बल्कि कई बार यह काफी तकलीफदायक भी होते हैं। ऐसे में पिंपल्स की समस्या में अनानास फायदेमंद साबित हो सकता है। अनानास में मौजूद विटामिन-सी मुहांसों से निजात पाने में असरदायक है। इसके अलावा इसमें मौजूद ब्रोमेलिन विटामिन-सी के असर को बढ़ाता है। इसके लिए आप सबसे पहले एक पका अनानास लें और उसका रस निकाल लें। अब आप इस रस को रूई की मदद से रात को सोने से पहले पिंपल्स पर लगाएं और सुबह उठकर चेहरे को साफ पानी से धो लें। पिंपल्स होने पर आप रोजाना ऐसा करें आपको कुछ ही दिनों में फायदा नजर आएगा और आप बाकी लोगों को भी यह नुक्शा जरूर बताएंगे।

त्वचा को रखे हाइड्रेट

अनानास कील-मुहासों को दूर करने के साथ आपकी त्वचा को हाइड्रेट रखने में भी मदद करता है। यह आपकी त्वचा को हाइड्रेट एवं चमकदार बनाए रखता है, जिससे त्वचा रूखी और बेजान नहीं लगती। इसके लिए आप अनानास को अच्छे से छीलकर कुछ टुकड़े मिक्सर में डालें। इसके बाद आप इसमें अंडे की जर्दी और 2 चम्मच दूध मिलाएं और पेस्ट तैयार कर लें। अब इस तैयार पेस्ट को अपनी त्वचा पर लगाएं और इसे 20 मिनट तक लगा रहने दें और फिर पानी से चेहरा धो लें। यह आपकी त्वचा को तरोताजा एवं हाइड्रेट रखेगा।

जवां त्वचा पाएं

अनानास आपकी त्वचा में निखार लाने एवं त्वचा को जवां बनाए रखने में मदद करता है। अनानास शरीर में कोलेजन सिंथेसिस को बढ़ावा देता है। कोलेजन की सही मात्रा होने से त्वचा में लचीलापन आता है। इसके अलावा, इसमें मौजूद विटामिन-सी और अमीनो एसिड डेड स्किन सेल्स को हटाने में मदद करते हैं। जवां त्वचा पाने के लिए आप अनानास का खाने के साथ इसका जूस पी सकते हैं। इसके अलावा आप इसका फेस मास्क भी बना सकते हैं। इसके लिए आप अनानास को छीलकर कुछ टुकड़े मिक्सर में डालें और इसका पेस्ट बना लें। अब इसमें आप 1 चम्मच शहद और चाहें, तो एलोवेरा जेल डाल लें और इससे बना पेस्ट अपने चेहरे पर लगाएं। 20 मिनट रखने के बाद चेहरे को साफ पानी से धो लें।

फटे होंठ करें मुलायम

फटे होंठों को मुलायम बनाने में अनानास मददगार है। यह आपके होंठों को मॉश्चराइज रखता है, जिससे होंठ रूखे नहीं रहते। इसके लिए आप अनानास के रस में थोड़ा-सा नारियल का तेल मिलाएं और रोजाना रात को साने से पहले अपने होंठों पर लगाएं। रोजाना इसका इस्तेमाल करें, इससे आपके फटे होंटों की समस्या दूर होगी।

फटी एड़ियों के लिए अनानास और शहद

फटी एड़ियों की समस्या से काफी लोग परेशान रहते हैं, जिसके लिए लोग दर्द में राहत पाने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय अपनाते हैं। लेकिन दर्द ही नहीं, बल्कि फटी एड़ियों के कारण आपको अपने पैरों को छुपाना पड़ता है। ऐसे में आप ऐसी सैंडल का चयन करते हैं, जिनमें आपकी एड़ियां न दिखें, लेकिन अब आपको इसकी जरूरत नहीं है, क्योंकि हम आपको इसके लिए उपाय बता रहे हैं। अगर आप भी फटी एड़ियों से परेशान हैं, तो अनानास बेहतर विकल्प हो सकता है। फटी एड़ियों से राहत पाने के लिए अनानास के एक टुकड़े पर शहद एवं चीनी मिलाकर लगाएं और इसे एड़ियों पर रगड़ते हुए स्क्रब करें। इसके अलावा, आप इन तीनों चीजों का पेस्ट बनाकर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। यदि आप रोजाना 10 से 15 मिनट के लिए ऐसा करते हैं, तो आपकी एड़ियां साफ हो जाएंगी।

बिना चोट के रक्तस्राव को कतई न करें नजरअंदाज

यदि बिना कोई चोट लगे नाक और मसूड़ा समेत शरीर के बाहर और भीतर के किसी अंग से खून निकल रहा है और इलाज के बाद भी यदि खून का निकलना बंद नहीं हो रहा है, तो इसको लेकर संजीदा हो जाएं। तुरंत ही बिना लापरवाही किए परार्मस के लिए डॉक्टर के पास पहुंचे और तुरंत कुछ जरूरी जांच कराएं। इसके साथ ही इससे संबंधित दवाईयां भी शुरू करें, चूंकि यह हीमोफिलिया के लक्षण हैं।

हीमोफिलिया ज्यादातर आनुवांशिक बीमारी है। यह कभी भी पूरी तरह से ठीक नहीं होती है और इससे पीड़ित लोगों को जीवनभर इलाज की जरूरत होती है। इसलिए हीमोफिलिया के इलाज में विशेष एहतियात बरतने की जरूरत है। इसके इलाज में मरीज को भावात्मक सहयोग की जरूरत पड़ती है। मरीज के साथ मित्रवत व्यवहार जरूर करना चाहिए। यह जानकारी हिमेटोलॉजी विभाग की डॉ. सोनिया नित्यानंद और डॉ. रुचि गुप्ता ने दी।

विशेषज्ञों ने जांच करने के तरीके के बारे में बताया

विशेषज्ञों ने एक वर्कशाप में गोरखपुर, मेरठ, दिल्ली, कश्मीर, उदयपुर और देहरादून मेडिकल कॉलेज से आए पैथालॉजिस्ट और लैब टेक्निशियनों को हीमोफिलिया की जांच के बारे में जानकारी दी। पीजीआई के हिमेटोलॉजी विभाग के डॉ. अंशुल गुप्ता, डॉ. रुचि गुप्ता और डॉ. दिनेश चंद्रा ने इन्हें बेसिक और स्पेशल जांच के सैंपल लेने से लेकर इनकी जांच की विधि बताई। इनमें प्रोथ्रोम्बिन टाइम (पीटी), एक्टीवेटेट पार्शियल थ्रोम्बोप्लास्टिन टाइम , कम्पलीट ब्लड काउंट (सीबीसी), फिब्रिनोजेन, फैक्टर एएसएसएवाई, मिक्सिंग स्टडी समेत अन्य कई जांचों के बारे में बताया। इन्हें लैब में सैम्पल के जरिए जांच कर दिखाई भी गई। डॉ. रुचि गुप्ता ने बताया कि जांच में जितनी जल्दी पुष्टि हो जाती है, उतनी जल्द मरीज का इलाज शुरू हो जाता है।

रेसिपी

आलू कचौड़ी

सामग्री

■ आलू: 7-8 उबले हुए ■ अदरक: 1/2 इंच (कद्दूकस किया हुआ) ■ हरी मिर्च: 2 (बारीक कटी) ■ हरी धनिया: बारीक कटी हुई ■ लाल मिर्च पाउडर: 1/2 छोटा चम्मच ■ गरम मसाला: 1/4 चम्मच ■ जीरा पाउडर: 1/2 छोटा चम्मच ■ धनिया पाउडर: 1/4 चम्मच ■ अमचूर: 1/2 छोटा चम्मच ■ नमक: स्वाद के अनुसार

विधि

आलू की कचौड़ी बनाने के लिए सबसे पहले बाउल में मैदा या आटा ले लेंगे। अब इसमें नमक, हल्का सा घी मिलाकर आटा गूंथ लेंगे। अब इसे थोड़ी देर सेट होने के लिए रख दें। स्टफिंग बनाने के लिए पैन में तेल गरम करें। अब इसमें जीरा डालें। इसके बाद बारीक कटी हरी मिर्च, कद्दूकस किया अदरक डालें। हल्का सा भुन जाएं तब इसमें आलू डाल दें। अब इसमें लाल मिर्च, गरम मसाला, अमचूर, नमक और हरी धनिया डालकर अच्छे से भुन लें। तैयार है कचौड़ी के लिए स्टफिंग। अब आटे की छोटी-छोटी लोईयां बनाएं और इसमें आलू की ये स्टफिंग भरें और अच्छे से लॉक कर हल्का सा बेल लें। अब कढ़ाही में तेल गर्म करें और इन कचौड़ी को मध्यम आंच पर सुनहरा होने तक तल लें।

हॉट एंड सॉर सूप

सामग्री

■ गाजर: 1(कद्दूकस की हुई) ■ पत्तागोभी: 1/2 कप (बारीक कटी) ■ फूलगोभी: 2 कप (कद्दूकस की हुई) ■ बीन्स: 1/2 कप (बारीक कटा) ■ हरा प्याज: 1/2 कप (बारीक कटा) ■ शिमला मिर्च: 1/2 कप (बारीक कटी) ■ मशरूम: 1/2 कप (बारीक कटा) ■ हरी मिर्च: लंबी कटी, ■ अदरक: 1 छोटा चम्मच (बारीक कटी), ■ लहसुन: 1 छोटा चम्मच (कद्दकस की हुई) ■ सोया सॉस: 1 छोटा चम्मच ■ सफेद सिरका: 1 छोटा चम्मच ■ कॉर्न फ्लोर: 1 चम्मच ■ 4 कप पानी ■ नमक: स्वाद के अनुसार

विधि

कढ़ाही में तेल या बटर डालकर गर्म करें। अब इसमें अदरक, लहसुन और हरी मिर्च डालकर भुनें। गाजर, बीन्स, पत्तागोभी, फूलगोभी डालकर भुनें और थोड़ी देर बाद मशरुम और थोड़ी हरी प्याज डालें। अब पानी डालकर अच्छी तरह उबालें और साथ ही नमक और काली मिर्च भी डाल दें। सोया सॉस, चिली सॉस और विनेगर मिलाकर गैस बंद कर दें। बचे हुए हरे प्याज से गॉर्निश कर गरमा गरम सूप सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान की कोशिश करेगा। शुभांक-4-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-3-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। शुभांक-2-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वत: ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करे। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-3-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
जीवनसाथी अथवा दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 3994

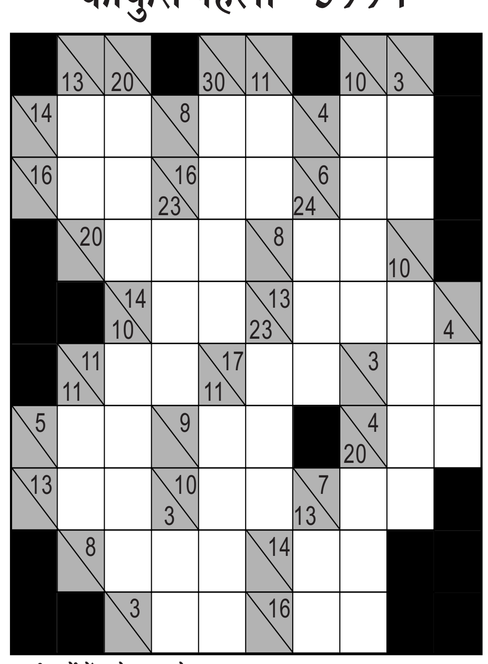

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

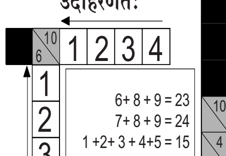

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3993 का हल

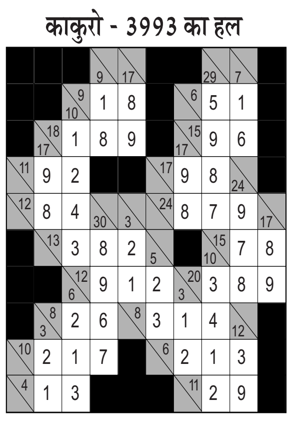

हंसी के फूव्वारें

एक प्रेमी ने अपनी प्रेमिका से कहा- ''आज हम पूरा मजा लूटेंगे ! मैनें फिल्म के तीन टिकटों का प्रबन्ध कर लिया है.''

''तीन टिकट ?''

''हां !''

''मगर हम तो दो हैं.''

''हां ! हम तो दो ही हैं.''

''फिर तीन टिकट किसलिए ?''

''एक तुम्हारी मां के लिए ! दूसरा तुम्हारे पिता के लिए और तीसरा तुम्हारे छोटे भाई के लिए !'' प्रेमी ने रहस्य खोलते हुए कहा.

□ □ □

''चौकीदार !''

''जी !''

''तुम ठीक से पहरा तो देते नहीं हो और पैसे मांगने आ जाते हो ?''

''देता हूं सरकार !''

''झूठ बोलने की कोशिश मत करो ! रात बारह बजे के बाद तुम्हारी आवाज ही सुनाई नहीं पड़ती !''

''साहब ! उस समय मैं दूसरों की आवाजें सुना करता हूं.''

□ □ □

प्रेमी-'तुम्हारी एक मुस्कान के लिए मैं हजार बार जान निछावर करने के लिए तैयार हूँ .'

प्रेमिका- तुम्हारे एक बार जान निछावर करने के लिए मैं हजार बार मुस्कुरा सकती है.

फिल्म वर्ग पहेली- 3994

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, संजीवकुमार, सचिन, हेमा, राखी, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
३. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
७. 'नीले गगन के तले' गीत वाली सुनील दत्त, मुमताज की फिल्म-४
९. 'जुबलीकुमार' राजेंद्रकुमार की पहली फिल्म जिसकी नायिका गीता बाली थी-३
११. अशोककुमार, नादिरा की 'काहे जादू किया मुझको' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुपर हिट फिल्म 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम क्या था-२
१५. कुमार गौरव, शरनाज की 'जिंदगी कब तुम को' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'आजा आजा मैं हूँ प्यार' गीत वाली शम्मीकपूर, आशा की फिल्म-३,३
१८. सतीश कौल, सरिता की बी. आर. इशारा निर्देशित १९७४ की एक फिल्म-३
१९. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम का फिल्म-२
२०. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या कर दिया' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'दुनिया में कितना' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
२४. मनोज बाजपेयी, उर्मिला की जोड़ी वाली रामगोपाल वर्मा की एक फिल्म-२
२५. 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली महीपाल, संध्या की फिल्म-४
२६. विनोद मेहरा, मौसमी की 'तेरे नैनों के मैं दीप' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'हम' में नायिका किमी काटकर के किरदार का नाम क्या था-२
२८. बलराज साहनी, लीला की 'हाये रे वो दिन क्यूं ना' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१.'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
३. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा है' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
४. गीफा अवार्ड्स में किस को फिल्म 'रंग दे बसंती' के लिये सर्वश्रेष्ठ संगीतकार का पुरस्कार मिला था-४
५. ओमपुरी, शबाना आजमी, माधुरी की सुधीर मिश्रा निर्देशित फिल्म-३
८. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीना राय की १९९२ की एक फिल्म-४
१०. जिमी, उदय चोपड़ा, इरफान, नम्रता की 'राहें लहरा के हम से' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'रंग और नूर की बारात किसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना की फिल्म-३
१४. मिथुन, सारिका की 'साथी है हम जनमों के' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली रंजन, चित्रा जयश्री की फिल्म-३
१७. मिथुन, चंकी, ऋतुपर्णा, सोमी की 'जब मैंने तेरा' गीत वाली फिल्म-३,२
१९. फिल्म 'बंदिवी' की नायिका कौन थी-३
२१. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'बेईमान पिया रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिरोज खान, मुमताज की फिल्म-४
२३. विनोद खन्ना, आमिर, सैफ, अश्विनी भावे, रवीना, नीलम की 'हम बंजारे दिल नहीं देते' गीत वाली फिल्म-४
२६. जितेन निर्देशित मिथुन चक्रवर्ती, राखी, नीता मेहता की १९८६ की एक फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3993

सूडोकु -3994

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

■ प्रत्येक पंक्ति में १ से ९ तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं ३×३ के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3993 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

शब्द पहेली - 3994

बाएँ से दाएँ

1.जो आदरणीय न हो-6
5.अनुक्षेपक,अंश -4
8.साथ-2
9.छोटी तलवार-3
10.विदेशी शराब का एक प्रकार -2
11.दुश्मनी-4
12.इस जगह-2
14.अनवरत-4
16.लाचार,बेबस-3
18.धुलाई करना-4
20.न्यूनता,निम्नता-5
23.समुद्री यात्री-5
26.पूंजी,संपत्ति-4
27.असंयमी,स्वच्छंद-3
29.वन में रहनेवाला-4
30.उम्मीद,आशा-2
32.सौंठ,एक कंद-4
33.जोर,बल-2
35.बसंतकाल-3
36.जोश,उग्रता-2
37.पाताल-4
38.सभ्य,होनहार-3,3

ऊपर से नीचे

1.जो संवैधानिक न हो-6
2.सांप,सर्प-2
3.दानेदार-4
4.जिगर,कलेजा-3
5.प्रेम,प्यार-3
6.पंख,पराया-2
7.मरियल, निर्बल-4
11.शत्रुता,वैमनस्यता (उर्दू-4)
13.शिकार फंसाने के लिए चिल्लाना-2
15.सुस्त,उनींदा-4
17.पदक-3
18.विश्वासघात-4
19.बहुमूल्य पत्थर-2
21.रानी,शहजादी-3
22.फलों का जूस-2
24.कुतरने वाला-4
25.मानक समुद्र तल (अंग्रेजी-2,1,3)
27.अपमान,उपेक्षित-4
28.पिता की बहन-2
29.सुखद वस्तु, ईष्ट कृपा, नेमत-4
31.बलवान-3
32.प्रार्थना-3
34.तिल,मस्सा-2
36.52 पत्तों का खेल, प्लेइंग कार्ड-2

शब्द पहेली -3993 का हल

मेरी जिंदगी में अगर म्यूजिक नहीं, तो उसका कोई मतलब नहीं है

मशहूर कंपोजर अखिल सचदेवा ने हाल ही में इमरान हाशमी की फिल्म 'आवारापन 2' का गाना 'पिया घर आया – होमकमिंग' बनाया है। कंपोजर ने बातचीत में बताया कि उन्हें ज्यादा देर तक सोना नहीं पसंद है बल्कि, वे अगले दिन उठने के बाद काम करने का इंतजार करता हैं। कंपोजर ने आईएएनएस के साथ बातचीत में काम के प्रति दिवानगी को लेकर कुछ दिलचस्प बातें शेयर कीं। उन्होंने कहा, 'सच कहूं, तो मैं सांस बाद में लेता हूं और म्यूजिक के बारे में पहले सोचता हूं। मुझे रात में सोना पसंद नहीं है। मैं हमेशा यही सोचता रहता हूं कि कल मैं क्या प्रैक्टिस करूंगा और कल क्या नया बनाऊंगा? अगर जिंदगी में म्यूजिक नहीं है, तो मेरे लिए जिंदगी का कोई मतलब ही नहीं है और गीता में लिखा है कि अगर तुम्हें सरगम आती है, तो श्री राम कहने की भी जरूरत नहीं है। श्रीराम 'सा' में मौजूद हैं, म्यूजिक दुनिया जीत लेता है, म्यूजिक एक अलग ही दुनिया है।' कंपोजर अपनी मां से गहरा जुड़ाव रखते हैं, उन्होंने मां, के प्रति भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि वे हर जन्म में वही मां चाहेंगे, जो उन्हें इस जन्म में मिली हैं। उन्होंने कहा, 'दुनिया अलग है और मैं हर जन्म में यही मांगूंगा कि हर जन्म में मुझे वही मां मिले, जो इस जन्म में मिली हैं। वही चेहरा, शरीर, उतनी ही मोटी होनी चाहिए जितनी वो थीं और उतनी ही खूबसूरत होनी चाहिए जितनी वो हैं, लेकिन वो मुझे इतनी जल्दी छोड़कर न जाए।' म्यूजिक कंपोजर अखिल सचदेवा अक्सर पॉडकास्ट और बातचीत में अपनी मां के प्रति अपना गहरा प्रेम और जुड़ाव व्यक्त करते रहते हैं। हालांकि, उनकी मां के बारे में अधिक जानकारी कभी सामने नहीं आई। 'आवारापन 2' एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जो 14 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। यह साल 2007 में आई इमरान हाशमी की चर्चित फिल्म 'आवारापन' का सीक्वल है। इस फिल्म का निर्देशन नितिन कक्कड़ ने किया है। 'आवारापन' रिलीज के वक्त फ्लॉप मानी गई थी, लेकिन बाद के सालों में फिल्म को जबरदस्त फैन फॉलोइंग मिली और आखिरकार अपने म्यूजिक और इमरान हाशमी की एक्टिंग की वजह से इसे कल्ट का दर्जा मिल गया। 'आवारापन 2' इस वक्त सिनेमाघरों में चल रही है।

गुजराती फिल्म के लिए अकांक्षा पुरी ने सीखी गुजराती

अभिनेत्री अकांक्षा पुरी जल्द ही गुजराती फिल्म में खास भूमिका निभाती हुई नजर आने वाली हैं। इस भूमिका के लिए उन्होंने गुजराती भाषा सीखने के साथ-साथ वहां की संस्कृति और बोलने के अंदाज को समझने की कोशिश की है। आकांक्षा का कहना है कि जब कोई कलाकार किसी नई भाषा और संस्कृति का हिस्सा बनता है, तो उसे उस माहौल को सही तरीके से समझना चाहिए, तभी पर्दे पर उसका काम स्वाभाविक लगेगा। बातचीत में अकांक्षा ने बताया कि वह अपनी खास भूमिका में गुजराती रंग को सही तरीके से दिखाना चाहती थीं। इसलिए उन्होंने खुद भाषा और वहां के बोलने के तरीके को समझने की कोशिश की।

अकांक्षा ने कहा, ''मैं गुजराती रंग को सही तरीके से दिखाना चाहती थी और सिर्फ वही नहीं करना चाहती थी, जो मुझे बताया गया था। मुझे लगता है कि जब आप किसी नई भाषा और संस्कृति में कदम रखते हैं तो उसे ठीक से समझने की कोशिश करनी चाहिए।'' अभिनेत्री ने कहा, ''मैंने भूमिका की तैयारी के दौरान गुजराती भाषा के उच्चारण और बोलने के अंदाज पर खास ध्यान दिया। मैंने शब्दों को सही तरीके से बोलने के साथ-साथ चेहरे के एक्सप्रेशन और बोलने के तरीके को भी समझने की कोशिश की। सच कहूं तो यह पूरा अनुभव काफी मजेदार रहा। मैं चाहती थी कि पर्दे पर मेरा रूप और मेरा किरदार वहां के माहौल का स्वाभाविक हिस्सा लगे।'' आगामी गुजराती फिल्म में अकांक्षा की खास मौजूदगी को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म में उनका किरदार क्या होगा और कहानी में उनकी भूमिका कितनी बड़ी होगी, इसे फिलहाल सीक्रेट रखा गया है। हाल ही में अकांक्षा पुरी अभिनेता रणदीप हुड्डा के साथ फिल्म 'इंस्पेक्टर अविनाश 2' में नजर आई थीं। इसमें उन्होंने पंजाबी लड़की का किरदार निभाया था, जो एक डांसर से मुखबिर बन जाती है। यह भूमिका भी उनके लिए काफी अलग थी। अकांक्षा ने इस किरदार को कुछ नया करने का मौका बताया था।

ट्रोलिंग को सफलता की कहानी का हिस्सा मानती हूं

'कैसी ये यारियां' से घर-घर में पहचान बनाने वाली अभिनेत्री नीति टेलर हाल ही में रियलिटी शो 'एलायंस' में नजर आई थीं। इस शो में उनके सफर के दौरान जहां कई भावुक पल देखने को मिले, वहीं कुछ रिश्तों ने भी खूब ध्यान खींचा। शो से जुड़े अनुभवों और अपनी निजी सोच को लेकर नीति ने आईएएनएस से खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने ऑनलाइन ट्रोलिंग को लेकर भी अपनी राय रखी और बताया कि समय के साथ इस मामले में उनका नजरिया काफी बदल गया है।

नीति ने कहा, ''अब मैं सोशल मीडिया पर होने वाली ट्रोलिंग को पहले की तरह दिल पर नहीं लेतीं। ट्रोल होने के पीछे एक मैसेज होता है कि लोग आपको देख रहे हैं और आपके बारे में बात कर रहे हैं। मैंने अब नकारात्मक टिप्पणियों पर ध्यान देने के बजाय अपने काम और उन लोगों पर फोकस करना शुरू कर दिया है, जो सपोर्ट करते हैं।'' ट्रोलिंग को लेकर अपने अनुभव साझा करते हुए नीति ने कहा, ''ये सिर्फ कंप्यूटर और फोन के पीछे छिपे चेहरे हैं, जिन्हें दूसरों को खुश देखना पसंद नहीं है, क्योंकि उनकी अपनी जिंदगी ठीक नहीं चल रही होती। ऐसे लोगों की बातों को अपने ऊपर हावी होने देना सही नहीं है। अगर आप पब्लिक फिगर है, तो आपकी लाइफ में इस तरह की चीजों का होना एक तरह से सामान्य बात है और हर कमेंट का जवाब देना जरूरी नहीं होता।'' नीति ने ट्रोलिंग को सफलता से भी जोड़कर देखा। उन्होंने कहा, ''मुझे यह भी लगता है कि ट्रोलिंग आपकी सफलता की कहानी का एक हिस्सा है। जब लोग आपके बारे में बात करते हैं और आपकी मौजूदगी पर प्रतिक्रिया देते हैं, तो इसका मतलब यह भी हो सकता है कि आप लोगों की नजर में हैं। इसलिए अब मैं ट्रोलिंग को लेकर ज्यादा परेशान नहीं होती और इसे अपनी जिंदगी का एक हिस्सा मानकर आगे बढ़ती हूं।'' बात अगर 'एलायंस' में उनके सफर की करें, तो उन्हें कई भावनात्मक उतार-चढ़ाव से गुजरना पड़ा, लेकिन इसी दौरान दोस्त भी बने, जिनकी शुरुआत की उम्मीद शायद किसी ने नहीं की थी। इनमें सबसे ज्यादा चर्चा नीति और अभिनेता कुशाल टंडन की दोस्ती की हुई।

1000 करोड़ रुपये की फिल्म सम्मान की गारंटी नहीं देती

अभिनेत्री सैयामी खेर अपनी अपकमिंग फिल्म 'हैवान' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने अपनी फिल्म 'घूमर' और '8 एएम मेट्रो' के परफॉर्मेंस को लेकर बात की है। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला है कि किसी कलाकार की काबिलियत को हमेशा फिल्म की कमाई से नहीं मापा जा सकता।

सम्मान को लेकर बोलीं सैयामी

बातचीत में अभिनेत्री ने कहा कि बॉक्स ऑफिस कलेक्शन यह नहीं दिखाता कि किसी कलाकार को दर्शकों से कितना सम्मान मिलता है। अभिनेत्री का कहना है कि 1000 करोड़ रुपये की फिल्म सम्मान की गारंटी नहीं देती। उन्होंने कहा कि मैं '8 एएम मेट्रो' जैसी फिल्म करके संतुष्ट हूं। यह यूट्यूब पर बड़ी हिट हुई और बाद में एक ओटीटी प्लेटफॉर्म ने इसे खरीद लिया। जब तक वह यूट्यूब पर बड़ी हिट नहीं हुई, तब तक कोई उसे खरीद नहीं रहा था। मुझे लगता है कि '8 एएम मेट्रो' से मुझे जो सम्मान मिला है, वह मुझे किसी और फिल्म से नहीं मिला।

बॉक्स ऑफिस पर कामयाबी को लेकर बोलीं अभिनेत्री

कलाकार के भविष्य के मौकों को बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस से जोड़ने की आदत के बारे में सैयामी ने कहा 'मुझे लगता है कि बॉलीवुड में बॉक्स ऑफिस के बारे में बहुत बात होती है। आपकी अगली फिल्म इस बात पर निर्भर करती है कि उसने कितना पैसा कमाया है, जो दुखद है। यह काबिलियत पर कम और इस बात पर ज्यादा निर्भर करता है कि आपकी फिल्म कितना पैसा कमाती है। हालांकि यह एक कारोबार है। अगर आपकी फिल्म फायदेमंद नहीं है, तो निर्माता फिल्म कैसे बनाएंगे? इसलिए मैं बॉक्स ऑफिस की सफलता का महत्व समझती हूं।

खेर ने की मेकर्स के तारीफ

खेर ने उन फिल्ममेकर्स से मिले सम्मान के बारे में भी बात की जिन्होंने मार्केट के दबाव के बावजूद उनके साथ काम करने का फैसला किया। उन्होंने कहा ''घूमर' को कोई भी बड़ा स्टार मिल सकता था, लेकिन आर. बाल्की सर ने कहा 'तुम इस स्क्रिप्ट के लिए सबसे सही इंसान हो। अगर मैं किसी और को लेता हूं तो स्क्रिप्ट के साथ नाइंसाफी होगी।' जब बड़े मेकर्स कुछ प्रोजेक्ट्स में मेरा साथ देते हैं और कहते हैं कि हम इस प्रोजेक्ट में तुम्हारे अलावा किसी और को नहीं देखते, तो मुझे एक तरह का सम्मान महसूस होता है।

सैयामी खेर का वर्कफ्रंट

अगर काम की बात करें तो सैयामी खेर अगली बार प्रियदर्शन की फिल्म 'हैवान' में नजर आएंगी। इसमें अक्षय कुमार और सैफ अली खान भी हैं। यह फिल्म अगले महीने सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

मैं शो में सबसे छोटी, अली फजल मेरी बहुत टांग खींचते हैं

'मिर्जापुर' की डिंपी का रोल निभाने वाली हर्षिता गौर ने भले बीटेक इंजिनियरिंग की पढ़ाई की लेकिन उनका सपना कहीं न कहीं एक्ट्रेस बनने का था। उन्होंने कहा- मेरी मां डॉक्टर हैं और अपने कॉलेज डेज में 9 साल तक उन्होंने भी थिएटर किया। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी अगली फिल्म मिर्जापुर द मूवी से।

बीटेक इंजिनियरिंग की पढ़ाई करने वाली हर्षिता गौर हमेशा से अभिनेत्री बनना चाहती थीं, मगर साथ ही उन्हें अपने परिवार को मायूस नहीं करना था, यही वजह थी कि उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी। किस्मत ने उनका साथ दिया और 'साड्डा हक' जैसे टीवी शोज से एक्टिंग की उनकी राह आसान हो गई, मगर 'मिर्जापुर' की डिंपी जैसे शांत और सौम्य रोल ने उन्हें रातों -रात मशहूर कर दिया। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी आगामी फिल्म मिर्जापुर द मूवी से। उनसे खास बातचीत।
'इंजिनियरिंग कर रही थी, मगर एक्ट्रेस बनना था' एक्टिंग में आने से पहलेहर्षिता इंजिनियरिंग कर रही थीं।

किसिंग सीन पर घरवालों ने आपत्ति नहीं की

अपने पहले ही शो 'साड्डा हक' में हर्षिता ने किसिंग सीन्स किए थे। अपने परिवार वालों की प्रतिक्रिया के बारे में वे कहती हैं, 'मेरे परिवार ने कोई आपत्ति नहीं जताई। हालांकि हम मिडिल क्लास वैल्यूज रखते हैं, मगर साथ ही वे ओपन-माइंडेड भी हैं। मेरे कहने का यह तात्पर्य है कि उनका ये हमेशा से मानना है कि तुम परदे पर जो कर रही हो, वो वैल्यू करना चाहिए। मतलब आपको किसिंग सीन करना है या कोई और इंटीमेट दृश्य, अगर वो आपके काम को वैल्यू दे रहे हैं, रिक्वायरमेंट है, अच्छे, क्रिएटिव और क्राफ्ट को समझने वाले लोगों के साथ कर रहे हैं, तो फिर कोई समस्या नहीं है। उन्होंने हमेशा ये समझा कि ये कहानी की मांग थी।'

कथक का साथ कभी नहीं छोड़ सकती

कथक को अपना पहला प्यार मानने वाली हर्षिता कहती हैं, 'मेरे लिए कथक बहुत खूबसूरत चीज है और मुझे बेहद पसंद है। मैंने छह साल की उम्र से कथक सीखा, लेकिन पढ़ाई और बाद में मुंबई आने के दौरान इसमें कई लंबे ब्रेक आए। मुंबई में जब मैंने दोबारा शुरू किया तो एक एक्सीडेंट के बाद दोनों घुटनों में इंजरी हो गई और करीब 4-5 महीने बेड रेस्ट पर रही।
उसी दौरान मिर्जापुर का एक्शन सीक्वेंस भी शूट करना था, जो काफी मुश्किल था। मिर्जापुर द मूवी की वजह से मुझे दोबारा कथक शुरू करने की हिम्मत मिली। अब मुझे लगता है कि कथक मेरी बॉडी में है। मैं इसका साथ नहीं छोडूंगी।'

अली मेरी खूब टांग खींचता है

'मिर्जापुर' में हर्षिता अका डिंपी गुड्डू उर्फ अली फजल की बहन बनी हैं। अली के साथ अपनी बॉन्डिंग के बारे में वे कहती हैं, 'सीरीज की तरह वे रियल लाइफ में भी काफी केयरिंग हैं। हमारा मस्ती-मजाक वाला रिश्ता है। वे मेरी बहुत टांग खींचते हैं। मैं शो में सबसे छोटी हूं। जब आई थी, सबसे छोटी थी, अभी भी सबसे छोटी हूं, तो सभी मेरा बच्चे की तरह ख़याल रखते हैं।

मैंने मिर्जापुर के लिए मना कर दिया था

डिंपी पंडित का जो किरदार हर्षिता के करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ, उसके लिए उन्होंने पहले मना कर दिया था। वे बताती हैं, 'मैंने एक टीवी शो किया था साड्डा हक, उसमें हमारे मिर्जापुर के निर्देशक गुरमीत असिस्टेंट डायरेक्टर हुआ करते थे। उन्होंने मुझे मिर्जापुर के सीजन वन के लिए डिंपी पंडित की भूमिका का ऑफर दिया। उस वक्त तक हम ओटीटी क्या होता है, जानते नहीं थे। मैंने रोल के लिए मना कर दिया था, क्योंकि आपकी लिमिटेड अंडरस्टैंडिंग होती है। मुझे कहा गया कि दो भाइयों की बहन का रोल है और मैंने उसे नकार दिया, लेकिन फिर उनका दोबारा कॉल आया। मैं जब दूसरी बार मिली, तो मुझे वो सीन नरेट किया गया, जहां मुन्ना (दिव्येंदु शर्मा) के अटैक करने पर डिंपी बोलती है, गाड़ी रोक वरना ठोक देंगे। उस बार मुझे पूरा माहौल और किरदार जम गया और मैंने हां कर दी। आज मिर्जापुर के तीन सीजन के बाद जब मिर्जापुर द मूवी आ रही है, तो लगता है कि अगर मैंने डिंपी के लिए मना कर दिया होता, तो ये मेरे करियर की सबसे बड़ी बेवकूफी होती।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।